तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2021-2023

वर्ष 35 अंक 17 | कोरबा, सोमवार, दिनांक 16 अक्टूबर 2023 डाक 17 अक्टूबर 2023 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

विविधा

आरएसएस प्रमुख भागवत जम्मू में नवरात्रि उत्सव के पहले दिन बाहु किले के अंदर काली माता मंदिर में गए

देश-विदेश

जोरामथांगा का दावा- मिजोरम में फिर सत्ता में लौटेगा एमएनएफ

खुल्ला-पन्ना

शक्ति की उपासना के साथ वरदान प्राप्त करने का पर्व

उच्चतम न्यायालय ने वकीलों को वरिष्ठ अधिवक्ता पदनाम दिए जाने को चुनौती देने संबंधी याचिका की खारिज

नईदिल्ली,16 अक्टूबर [एजेंसी]।

उच्चतम न्यायालय ने वकीलों को वरिष्ठ अधिवक्ता पदनाम दिए जाने को चुनौती देने वाली एक याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अगुवाई वाली पीठ ने अधिवक्ता मैथ्यूज जे नेदुम्पाडा तथा सात अन्य की ओर से दाखिल एक याचिका पर अपना फैसला सुनाया। याचिकाकर्ताओं ने अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की धारा 16 और 23 (5) को चुनौती देते हुए दावा किया है कि ये ''वकीलों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं और अन्य अधिवक्ताओं के दो वर्ग बनाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप वास्तविक व्यवहार में अकल्पनीय असमानताएं पैदा हुई हैं, जिस पर संसद ने निश्चित रूप से विचार नहीं किया या अनुमान नहीं लगाया।''अधिवक्ता अधिनियम की धारा 16 वरिष्ठ और अन्य अधिवक्ताओं से संबंधित है, धारा 23 (5) वरिष्ठ अधिवक्ताओं को अन्य वकीलों की तुलना में अधिकार से संबंधित हैं।

याचिका में दावा किया गया है कि वकीलों को वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित करना, ''विशेष अधिकारों, विशेष दर्जा वाले अधिवक्ताओं का एक विशेष वर्ग बनाना, जो सामान्य अधिवक्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं हैं, असंवैधानिक है। यह अनुच्छेद 14 के तहत समानता के आदेश का उल्लंघन है।

निठारी कांड पर इलाहाबाद हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

सुरेंद्र कोली और मनिंदर सिंह पंढेर निर्दोष करार

नईदिल्ली,16 अक्टूबर [एजेंसी]।

उच्चतम न्यायालय ने वकीलों को वरिष्ठ अधिवक्ता पदनाम दिए जाने को चुनौती देने वाली एक याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अगुवाई वाली पीठ ने अधिवक्ता मैथ्यूज जे नेदुम्पाडा तथा सात अन्य की ओर से दाखिल एक याचिका पर अपना फैसला सुनाया। याचिकाकर्ताओं ने अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की धारा 16 और 23 (5) को चुनौती देते हुए दावा किया है कि ये ''वकीलों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं और अन्य अधिवक्ताओं के दो वर्ग बनाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप वास्तविक व्यवहार में अकल्पनीय असमानताएं पैदा हुई हैं, जिस पर संसद ने निश्चित रूप से विचार नहीं किया या अनुमान नहीं लगाया।''अधिवक्ता अधिनियम की धारा 16 वरिष्ठ और अन्य अधिवक्ताओं से संबंधित है, धारा 23 (5) वरिष्ठ अधिवक्ताओं को अन्य वकीलों की तुलना में अधिकार से संबंधित हैं।

याचिका में दावा किया गया है कि वकीलों को वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित करना, ''विशेष अधिकारों, विशेष दर्जा वाले अधिवक्ताओं का एक विशेष वर्ग बनाना, जो सामान्य अधिवक्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं हैं, असंवैधानिक है। यह अनुच्छेद 14 के तहत समानता के आदेश का उल्लंघन है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका, अब गिरफ्तारी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे न्यूज़क्लिक के संस्थापक

नईदिल्ली। न्यूज़क्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और कंपनी के एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती ने दिल्ली उच्च न्यायालय के हालिया आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत एक मामले में गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी याचिका खारिज कर दी थी। पिछले हफ्ते, न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की अगुवाई वाली दिल्ली उच्च न्यायालय की पीठ ने कहा था कि उसे पुरकायस्थ और चक्रवर्ती की याचिकाओं में कोई योग्यता नहीं मिली और दोनों की गिरफ्तारी और उसके बाद पुलिस रिमांड में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला ने कहा कि गिरफ्तारी के संबंध में कोई प्रक्रियात्मक कमजोरी या कानूनी या संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन नहीं है और रिमांड आदेश कानून में टिकाऊ है। अदालत ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि यूएपीए लिखित आधार प्रस्तुत करने को अनिवार्य नहीं करता है और केवल गिरफ्तारी के कारणों के बारे में आरोपी को 'सूचित' करने की बात करता है।

ईडी ने फिर भिलाई में मारी रेड, सट्टा किंग सौरभ के पार्टनर यहां कार्रवाई जारी

रायपुर, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

महादेव ऑनलाइन सट्टा मामले में ईडी ने अब से कुछ देर पहले दुर्ग भिलाई मे बड़ी कार्रवाई की है। नगर निगम में सफाई का बड़ा ठेकेदार नेहरू नगर ईस्ट निवासी दीपक सावलानी उर्फ जयदीप के ठिकानों पर ईडी ने दबिश दी है। ननि भिलाई और रिसाली में पार्कों की कुर्सियां और झूले सप्लाई करने से शुरुआत की। उसके बाद महादेव के संचालक का पार्टनर बनकर नेहरूनगर चौक पर ढिल्लन होटल के बाजू में चौपाटी खोला था। साथ ही सौरभ की जूस फेक्ट्री में पार्टनर भी रहा है।

साथ ही पिछले साल अपना नाम जयदीप बदलकर पासपोर्ट बनवाकर दुबई गया था। कार्यवाही जारी है।दीपक सोलानी के घर सुबह 7 बजे टीम पहुंची इसमे 3-4 अफसर हैं। दीपक के भाई की मोबाइल दुकान आकाशगंगा में है।

मिजोरम में राहुल गांधी की यात्रा शुरू

मिजोरम, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

मिजोरम में राहुल गांधी यात्रा कर रहे है। यात्रा में हजारों की संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता और लोग शामिल हुए। राहुल गांधी ने पदयात्रा के दौरान सड़क के दोनों ओर इंतजार कर रहे लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया और उनसे मिलने आने वाले लोगों से हाथ मिलाया और बातचीत की। कुछ लोगों ने कांग्रेस नेता के साथ सेल्फी भी ली।गांधी का राजभवन तक पैदल चलने और लगभग 4-5 किमी की दूरी तय करने और मार्च के समापन के बाद राज्यपाल के घर के पास एक रैली को संबोधित करने का कार्यक्रम भी है। नघाका ने कहा, राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के तहत सोमवार को यहां पहुंचेंगे।

अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान, वह आइजोल में चानमारी से ट्रेजरी स्क्वायर तक 2 किलोमीटर लंबे मार्च में भाग लेंगे और हमारे उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे। इस दौरान वह राज्य की प्रसिद्ध हस्तियों के साथ बातचीत भी करेंगे। उन्होंने कहा, राहुल गांधी 18 अक्टूबर को यहां से रवाना होने से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे।

मां बम्लेश्वरी के दर्शन कर दिल्ली रवाना होंगे सीएम भूपेश बघेल

रायपुर, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

राजधानी की चारों सीटों के साथ प्रदेश की शेष सीटों के लिए नाम तय करने सीएम भूपेश बघेल आज शाम दिल्ली जा रहे हैं। उनका दिल्ली में नाईट हाल्ट रहेगा। इससे पहले सीएम बघेल दोपहर डोंगरगढ़ जाकर मां बम्लेश्वरी के दर्शन कर आएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह समेत जिले के चार प्रत्याशी आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में अपने पर्चे दाखिल करेंगे। डॉ सिंह के अलावा डोंगरगढ़ से विनोद खांडेकर, डोंगरगांव से भरतलाल वर्मा और खुज्जी से गीता घासी साहू मैदान में हैं। चारों ही प्रत्याशी एक साथ रोड शो करते हुए राजनांदगांव जिला कलेक्टर के आफिस पहुंचेंगे। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अहमदाबाद से सीधे रायपुर पहुंचेंगे। वहां से वे विशेष हेलीकाप्टर से राजनांदगांव पहुंचेंगे। यहां पर वे भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में नामांकन रैली में शामिल होंगे। इसके बाद वे हेलीकाप्टर से रायपुर लौटकर कोलकाता जाएंगे।

पिथौरागढ़ में भूकंप के झटके रिक्टर स्केल पर 4.0 मापी गई

पिथौरागढ़ ,16 अक्टूबर [एजेंसी]।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भूकंप के झटके महसूस किए गए। पिथौरागढ़ के पास सोमवार को 4.0 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप का केंद्र पिथौरागढ़ से 40 किलोमीटर उत्तर पूर्व में था। भूकंप का केंद्र पिथौरागढ़ में 5 किमी की गहराई पर आया।

टीडीपी, तेलुगू युवथा ने 'शैकल्स ऑफ जस्टिस' विरोध प्रदर्शन किया

तिरूपति-नेल्लोर, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

टीडीपी और तेलुगू युवाथा के कार्यकर्ताओं ने शाम 7 बजे से 7.05 बजे तक अपने हाथों में रिबन, रस्सी या जंजीर बांधकर 'शैकल्स ऑफ जस्टिस' नामक एक अनोखे विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। पार्टी सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू के अनुचित व्यवहार के खिलाफ अपनी चिंता दिखाने के लिए पार्टी आलाकमान ने राज्य भर में इस विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है।पार्टी के तिरूपति संसदीय क्षेत्र के प्रभारी जी नरसिम्हा यादव, तिरूपति निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी एम सुगुनम्मा, तेलुगु युवाता के राज्य महासचिव ए रवि नायडू, पार्षद आरसी मुनिकृष्ण और कई अन्य लोगों ने शहर के विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।इस अवसर पर सुगुनम्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की सरकार ब्रिटिश सरकार की तरह है जो लोगों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है और अपने स्वार्थों की बहुत परवाह करती है। राज्य के विकास को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया गया और लोगों और राज्य के कल्याण के लिए लड़ने वालों पर फर्जी मामले थोप दिए गए। पार्टी नेता रमना, डी भास्कर यादव, एस सुधारकर रेड्डी, पी मुरलीकृष्ण रेड्डी, एन सुधाकर रेड्डी, चिनबाबू और अन्य ने भी हिस्सा लिया। पार्टी के संसदीय कार्यालय में नरसिम्हा यादव ने टीडीपी प्रमुख नायडू के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग की, जो जेल में स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हैं। नायडू के निजी डॉक्टरों के सुझाव लेकर उन्हें इस जरूरत की घड़ी में सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वी विजय कुमार, सी मनोहराचारी, राजय्या, रामा यादव, पेन्चलैया, तुलसीदास और अन्य ने भाग लिया।

रवि नायडू के नेतृत्व में तेलुगु युवथा कार्यकर्ताओं ने हथकड़ी के साथ सड़क पर घुटने टेककर अन्ना राव सर्कल में विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। उन्होंने कहा कि राज्य में अंबेडकर के संविधान का पालन नहीं किया जा रहा है और राज्य सरकार ने नायडू पर फर्जी मामला थोपकर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। महेश यादव, कृष्णा यादव, आरपी श्रीनिवासुलु, एसवीएम श्रीधर, सुब्बू यादव, करणम संदीप और अन्य उपस्थित थे।

बीजेपी नेता कुंजा सत्यवती का निधन

हैदराबाद, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

भद्राचलम की पूर्व विधायक और बीजेपी नेता कुंजा सत्यवती का सोमवार तड़के निधन हो गया। बताया जा रहा है कि सीने में तेज दर्द के कारण परिवार वालों द्वारा अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई. वह कांग्रेस के टिकट पर विधायक के रूप में जीतीं और 2009 से 2014 तक विधायक रहीं।

बाद में वह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गईं। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा प्रमुख किशन रेड्डी, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख रेवंत रेड्डी सहित कई प्रमुख नेताओं और अन्य ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

नवरात्रि उत्सव के दौरान दो गुटों के बीच झड़प पथराव में एक और पटाखा फटने से चार लोग घायल

मुंबई, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

महाराष्ट्र के ठाणे शहर में नवरात्रि उत्सव के दौरान देवी दुर्गा की मूर्ति ले जा रहे जुलूस में दो गुटों के बीच झगड़े के बाद पटाखे फोड़े जाने से चार लोग घायल हो गए। वहीं कल रात नौ बजे हुई झड़प के दौरान पथराव में एक अन्य व्यक्ति भी घायल हो गया। देशभर में नवरात्रि का उत्सव शुरू हो चुका है। वागले एस्टेट के हनुमान नगर इलाके में देवी दुर्गा की मूर्ति ले जाने के दौरान पटाखे फोड़ने के लिए दो गुटों के बीच झड़प हो गई।

श्रीनगर पुलिस स्टेसन के एक अधिकारी ने इस मामले पर एफआईआर दर्ज कर ली है। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने लापरवाही से पटाखे फोड़े, जिसके कारण वहां मौजूद चार लोग झुलस गए। उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

दार्जिलिंग के नक्सलबाड़ी बाजार में आग लगी, कोई हताहत नहीं

सिलीगुड़ी । दार्जिलिंग अधिकारियों ने कहा कि पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के सिलीगुड़ी उपमंडल के नक्सलबाड़ी बाजार में मध्य रात को भीषण आग लग गई। हालांकि, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, स्थिति पर काबू पाने के लिए कुल छह दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग लगने का सटीक कारण स्पष्ट नहीं है और आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। इससे पहले शनिवार को हावड़ा के सांकराइल इंडस्ट्रियल पार्क में एक गोदाम में आग लग गई थी।

कुएं में जहरीली गैस से दम घुटने से दो सगे भाइयों सहित तीन लोगों की मौत

जयपुर 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

राजस्थान के फलौदी के जांबा थाना क्षेत्र में एक कुएं की खुदाई के दौरान जहरीली गैस से दम घुटने से दो सगे भाई और उनके बहनोई की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।थाना प्रभारी सुरेश सारण ने बताया कि देगाबड़ी गांव में खेती के कार्य के लिए 60 फुट गहरे कुएं की खुदाई के दौरान जहरीली गैस से दम घुटने से लक्ष्मण बावरी (25) उसके भाई रविदास बावरी (21) और बहनोई त्रिलोक (35) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि कुएं में बोरिंग मशीन से गहराई का काम किया जा रहा था और जहरीली गैस से बेहोश होने पर लक्ष्मण बावरी कुएं में गिर गया उसके बाद त्रिलोक भी बेहोश होकर उसमें जा गिरा और दोनों को देखने गये रविदास सहित तीनों की दम घुटने से मौत हो गई।उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये गये। इस संबंध में दोनों भाइयों के पिता की ओर से दर्ज रिपोर्ट के आधार पर दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 174 के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

उद्धव ने बाल ठाकरे का अपमान करने वाले समाजवादियों से हाथ मिलाकर पाप किया: शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आरोप लगाया कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे-यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे ने उन समाजवादियों को बढ़ावा देने का ''पाप'' किया है जिन्होंने शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का उनके जीवनकाल में अपमान और विरोध किया था। शिंदे ने ठाणे में संवाददाताओं से बात करते हुए आरोप लगाया कि समाजवादी नेताओं के साथ हाथ मिलाने का कदम हिंदुत्व विचारधारा में मिलावट करने जैसा है। शिंदे ने कहा, यहां तक कि बालासाहेब ठाकरे भी कांग्रेस और समाजवादियों से हाथ मिलाने के ऐसे कृत्य को माफ नहीं करेंगे। उद्धव ठाकरे ने उन समाजवादियों से हाथ मिलाकर पाप किया है जिन्होंने बालासाहेब ठाकरे का उनके जीवनकाल में अपमान और विरोध किया। शिंदे ने यह बयान ठाकरे की उन टिप्पणियों पर दिया जो उन्होंने दिन में 21 समाजवादी परिवार दलों की एक सभा को संबोधित करते हुए दी थी। उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा था कि समाजवादियों के साथ पुराने मतभेद मुख्य रूप से वैचारिक थे जिन्हें लोकतंत्र के हित में सुलझाया जा सकता है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)

-: परामर्श का समय :- सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.(U.K) Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

सांसद उरांव का आरोप कई योजनाओं पर कुंडली मारी राज्य सरकार ने

कोरबा । पार्टी आलाकमान ने कोरबा जिला की चारो सीटों पर प्रत्याशी की घोषणा कर दी है। चुनाव तक उनके साथ रहकर कोरबा की चारों सीट पर कमल खिलाने का काम किया जाएगा। केंद्र की योजनाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए कार्यो और कांग्रेस की नाकामियों को जनता के बीच लेकर जा रहे है। केंद्र सरकार ने हर वर्ग के लिए योजनाएं बनाई है। जिस पर छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने कुंडली मारने का काम किया है। उक्त बातें टीपी नगर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान झारखंड से राज्यसभा के सांसद व भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने कही।

श्री उरांव ने कहा कि कांग्रेस की भूपेश सरकार ने पांच वर्षो में जनता को ठगने का ही काम किया है। इस बार सभी ने इसे बदलने का मन बना लिया है। कोरबा की चारो विधानसभा सीट में हमारी जीत होगी। निश्चित ही बदलाव होगा। जनता के विकास को फोकस कर चुनाव लड़ रहे है। यात्री ट्रेनों के लगातार रद्द रहने को लेकर उन्होंने कहा कि रेल्वे इंफ्रास्ट्रक्चर का काम केंद्र की मोदी शासन ने त्वरित हुआ है। इसके लिए छ्- हजार करोड़ का फंड दिया गया है। इससे पहले इतना फंड कभी नहीं दिया गया। आदिवासी मुख्यमंत्री के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी कमेटी जो सार्वजनिक निर्णय लेगी उसकी आधार पर निर्णय लिया जाता है। केंद्र सरकार ने विकास कार्यो को गति दी है। छत्तीसगढ़ में डबल इंजन सरकार बनाकर छत्तीसगढ़ के विकास को गति देनी होगी। चारों प्रत्याशियों के प्रचार प्रसार के लिए मैं चुनाव तक कोरबा में ही रहूंगा। एक जुट होकर सभी कार्यकर्ता सक्रियता से काम कर रहे है। कटघोरा प्रत्याशी के खिलाफ गत दिनों लिए गए पत्रकार वार्ता के संबंध में पीसी में मौजूद कटघोरा प्रत्याशी प्रेमचंद पटेल ने कहा कि मेरी जानकारी में पत्रकार वार्ता लेने वाले भाजपा कार्यकर्ता नहीं है। अगर किसी को नाराजगी है तो उसे दूर करने का प्रयास किया जाएगा। कोरबा सीट पर जितने भी टिकट के दावेदार है सभी मेरे साथ पार्टी को विजय दिलाने एक जुट है। प्रेस वार्ता में चारों प्रत्याशी ननकीराम कंवर, रामदयाल उइके, लखन लाल देवांगन, प्रेमचंद पटेल , भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, जोगेश लांबा, गोपाल मोदी, अशोक चावलानी सहित अन्य मौजूद थे।

भ्रष्टाचार का हॉट स्पॉट कोरबा -अनुराग सिंहदेव

भाजपा बिलासपुर सह प्रभारी अनुराग सिंहदेव ने कहा कि भ्रष्टाचार का उद्गम कोरबा से ही शुरू हुआ। जैसे भूंकप का हॉट स्पॉट होता है। ठीक वैसे ही कोरबा जिला कांग्रेस की भ्रष्टाचार की हॉटस्पॉट है। कोयले के मामले में ईडी की जांच आज हो रही है। इसके अलावा रेत भूमि, स्कैप के नाम पर स्परेट फंड कांग्रेस जुटा रही है। प्रत्येक रजिस्ट्री में राजस्व मंत्री और सीएम का हिस्सा तय है। यहां सरकार को सड़क बनाने के लिए लोन लेना पड़ रहा है। उस सरकार की आर्थिक स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है। पावर हब में ही अंधेरा फैला रहता है। जनता बिजली बिल और बिजली कटौती से त्रस्त है।

ब्रिटिशकाल से चले आ रहे कानून को समाप्त करने से लोगों को सहूलियत : जयसिंह

कोरबा। कांग्रेस की पहली सूची जारी होने के बाद कोरबा विधानसभा से जय सिंह अग्रवाल को पुन: कोरबा का प्रत्याशी बनाए जाने के बाद कांग्रेस कार्यालय में पहली बार पत्रकारों से रूबरू हुए और पिछले पांच सालों में सरकार और अपनी उपलब्धियां गिनाई श्री अग्रवाल ने कहा कि कल मां सर्वमंगला की पूजा अर्चना के बाद अपना चुनाव प्रचार अभियान शुरू करने जा रहे हैं । उन्होंने आगे कहा कि राजस्व मंत्री बनाए जाने के बाद हमने अंग्रेजों के जमाने के जो कानून चले आ रहे थे जिससे लोगों को राजस्व के कामों में देरी हो रही और जो पेचीदगियां आ रही थी उसे दूर करने के लिए हमने ऐसे कानून को विलोपित कर लोगों को तत्काल राजस्व कार्यो में तेजी लाने का काम किया है ।

श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि जो काम महीने दो-दो महीने में नहीं हो पता था आज इस कानून की बदौलत दो और चार दिन में काम हो जा रहे हैं श्री अग्रवाल ने कहा कि कोरबा में 1320 मेगावाट का पावर प्लांट दर्री में लगाने की स्वीकृति हमने दिलाई है ताकि कोरबा के लोगों को रोजगार मिल सके वही बालको के विस्तार प्लांट में जनसुनवाई को निर्विघ्न रूप से कराकर हमने बालकों के पावर प्लांट का रास्ता साफ कर दिया है जिसका काम तेजी से चल रहा है आने वाले दिनों में उसमें स्थानीय लोगों को भरपूर रोजगार मिलेगा। श्री अग्रवाल ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है जब हमने स्वंश्वरुसे सड़क बनाने के नाम पर 300 करोड रुपए की स्वीकृति दिलाई है शिक्षा के क्षेत्र में चिकित्सा के क्षेत्र में भी हमने बेहतर काम करने का प्रयास किया है इसी का परिणाम है कि कोरबा में आत्मानंद स्कूल आत्मानंद कॉलेज एवं मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो चुकी है जिससे बच्चों को लाभ मिल रहा है वही आत्मानंद स्कूल की मांग को देखते हुए आने वाले दिनों में यहां उसकी संख्या और बढ़ने पर काम चल रहा है शहर के मध्य स्थित अशोक वाटिका जो वन विभाग के कब्जे में था और अव्यवस्थित था जिसे प्रयास करके हमने राजस्व को वापस दिलवाया और उसमें छत्तीसगढ़ का सबसे बेहतरीन गार्डन बनवाकर अपने शहर के लोगों को उपहार स्वरूप दिया है इसके साथ ही कोरबा के मानिकपुर की पुरानी खदान जिसे हम पोखरी के नाम से जानते है के सौन्दरियकरण के लिए 11 करोड रुपए की राशि हमने दिलाई है जिससे उसका सौन्दरियकरण हो सके और वह एक बेहतर पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित होगा है सरकार ने भूमिहीन लोगों को जिसका कब्जा था उन्हें पट्टा देने का काम किया है वही कोरबा जिले में पूरे छत्तीसगढ़ में दूसरे शहरों की अपेक्षा सबसे ज्यादा 10000 पट्टे वितरित किए जा चुके हैं और जो बचे हैं वह चुनाव आचार संहिता के कारण रोक दिए गए हैं चुनाव संपूर्ण होने के बाद तत्काल पट्टा वितरण का काम किया जाना है। उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव में उनकी सर्वाधिक मतों से विजय होगी जो अब तक की जीत का सबसे बड़ा अंतर होगा।पत्रकार वार्ता में महापौर राजकिशोर प्रसाद, सभापति श्यामसुंदर सोनी, सुरेंद्र प्रताप जायसवाल, रमेश जायसवाल, श्रीमती उषा तिवारी, कुसुम द्विवेदी, अरूण शर्मा, विकास सिंह सहित कांग्रेस के अन्य पाधिकारीी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

घट स्थापना के साथ मंदिरों में प्रज्जवलित हुए ज्योति कलश

कोरबा। क्वांर शुक्ल प्रतिपदा के साथ शारदीय नवरात्र का पर्व रविवार से प्रारंभ हुआ। शुभ मुहुर्त में घट स्थापना के साथ मां सर्वमंगला देवी के दरबार सहित मंदिरों में सर्वमनोकामना ज्योतिकलश प्रज्जवलित किए गए। मंदिरों में पहले दिन दर्शन करने भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और यह सिलसिला 9 दिनों तक जारी रहेगा। इसी तरह जिले भर में सुसज्जित पंडालों में स्थापित प्रतिमाएं आकर्षण का केन्द्र रहेंगी। नवरात्रि के प्रथम दिन मां के प्रथम रूप शैलपुत्री की पूजा-अर्चना से लोगों ने अपने दिन की शुरुआत की। घरों से लेकर मंदिरों में मां की भक्ति शुरू हो गई है। प्रसिद्ध मां सर्वमंगला मंदिर सहित मड़वारानी, कोसगाई, चैतुरगढ़, अष्टभुजी, भवानी मंदिर, कंकालिन दाई दादरखुर्द, मुड़ादाई मंदिर मुड़ापार सहित अन्य देवी स्थलों में ज्योति कलश प्रज्जवलित कराए गए हैं। शहर के प्रसिद्ध सर्वमंगला देवी मंदिर में प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में ज्योति कलश प्रज्जवलित कराए जाते हैं। इस वर्ष 10 हजार तैल्य एवं 1 हजार घृत ज्योति कलशों के साथ जवारा कलश भी प्रज्जवलित कराए गए हैं। मां के भक्त सात समुंदर पार से भी कामना करते हैं और विदेशों से भी ज्योति कलश प्रज्जवलित कराये गए हैं।

मारपीट के बाद किया समाज से बहिष्कृत पुलिस से न्याय करने की गुहार लगाई

कोरबा। वनांचल गांव कछार में रहने वाले एक परिवार को उस कृत्य की सजा भुगतनी पड़ रही है जिसे उन्होंने किया ही नहीं,पहले तो दबंगों ने चोरी का आरोप लगा परिवार के एक बालक की बेरहमी से पिटाई कर दी। उसके खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करा दिया। जब बात नहीं बनी तो गांव के चैपाल में बैठक कर परिवार को ही बहिष्कृत कर दिया। उनके सामूहिक कार्य में भी शामिल होने पर रोक लगा दी गई। जिससे आहत पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है।

कोरबा के एसपी कार्यालय में अपने परिवार के साथ मौजूद इस व्यक्ति का नाम नानसाय सारथी है। करतला थाना क्षेत्र के ग्राम कछार निवासी नानसाय के पूरा परिवार को गांव के दबंगो ने बहीष्कृत कर दिया। हुक्का पानी बंद होने से परेशान नानसाय ने एसपी से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है। नानसाय का कहना है,कि चोरी का झूठा आरोप लगाकर उसके नाबालिग पुत्र की गांव में ही रहने वाले अनिल राठिया और लाल बहादुर ने बेरहमी से पिटाई कर दी गई साथ ही कार्रवाई के लिए पुलिस से शिकायत की। साक्ष्य नहीं मिलने पर पुलिस ने किसी तरह की कार्रवाई नहीं की। फिर क्या था अगले दिन पंचायत की बैठक बुलाई गई और नानसाय के पूरे परिवार को बहीष्कृत कर दिया गया।

नानसाय ने बताया कि इससे पहले भी परिवार को सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ा था करीब 4 साल पहले उनकी बहू स्कूल के समीप बोरिंग में पानी लेने गई थी। जिसे लेकर परिवार को बहिष्कृत कर दिया गया। मामले की शिकायत लगातार पुलिस से की जाती रही, लेकिन किसी तरह की मदद नहीं मिली। करीब छह माह पहले गांव में कार्यक्रम आयोजित था, जिसमें एक हजार बतौर दंड देने के बाद सम्मिलित किया गया था। बहरहाल एसपी से मालमे की शिकायत की गई है देखने वाली बात होगी,कि पुलिस इस दिशा में किस तरह की कार्रवाई करती है।

105 लीटर शराब जब्त किया उरगा पुलिस ने

कोरबा। पुलिस अधीक्षक कोरबा जितेन्द्र शुक्ला के दिशा निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा एवम नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के मार्गदर्शन एवम थाना प्रभारी उरगा युवराज तिवारी के नेतृत्व में आज दिनांक 15/10/2023 को थाना उरगा पुलिस टीम को 105 लीटर महुआ शराब पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई है। मुखबिर के सूचना के आधार पर ग्राम पुरैना में आरोपी देवराम चौहान पिता बंधन चौहान उम्र 50 वर्ष निवासी पुरैना के कब्जे से अलग अलग डिब्बों में भरे कुल 105 लीटर महुआ बरामद कर जप्त किया गया है तथा आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनयम के तहत प्रकरण तैयार कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है।

मकान में घुस कर चाकू से किया जानलेवा हमला, चार घायल

कोरबा। अंबिकापुर मार्ग पर अज्ञात बदमाशों ने जायसवाल परिवार के मकान में घुसकर मारपीट व चाकूबाजी की घटना को अंजाम दिया। घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बदमाशों ने एक लड़के को चाकू से मारने का प्रयास भी किया और भाग गए। कटघोरा पुलिस को मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंच मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस ने बताया कि सुतर्रा निवासी संतोष कुमार जायसवाल ने कटघोरा-अंबिकापुर मार्ग पर गोमती पेट्रोल पंप के समीप अपना घर बना कर पांच माह से निवास कर रहे हैं। तीन भाईयो में सबसे बड़े संतोष जायसवाल का छोटा भाई राम प्रताप जायसवाल सुतर्रा में निवासरत है वह ब्याज में पैसों का लेनदेन करता है। राम प्रताप कुछ दिनों से अपने बड़े भाई संतोष के कटघोरा वाले घर पर अपना आधिपत्य स्थापित करने बडे भाई व उसके परिवार पर दबाव बना रहा है। कटघोरा थाना में संतोष ने राम प्रताप के खिलाफ शिकायत भी दर्ज करा चुके है। कटघोरा पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। इस बीच रविवार को सुबह पांच बजे राम प्रताप द्वारा बाहर के गुंडों को बुलाकर संतोष के घर पर घुसकर मारपीट की घटना को अंजाम दिए और संतोष के छोटे बेटे शिवम पर चाकू से हमलाकर घायल कर दिया। साथ ही संतोष की पत्नी व बेटी के साथ भी मारपीट की।

इससे दोनों भी गंभीर रूप से घायल हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इस घटना में संतोष जायसवाल के साथ साथ उनकी पत्नी के साथ बुरी तरह मारपीट की गई। फिलहाल घटना की जानकारी आसपास के लोगों को मिलते ही गुंडे वहां से भाग निकले। वहीं राम प्रताप व उसके परिवार ने संतोष व उनके पूरे परिवार को घर से बेदखल कर घर पर कब्जा कर लिया। सूचना पर डायल 112 व कटघोरा पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित पक्ष का बयान लिया। इसके साथ ही राम प्रताप के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर धारा 147, 149, 294, 506 तथा 323 पर मामले की जांच में जुट गई है।

रामलाल राठौर का निधन

कोरबा। बालको से सेवानिवृत संजय नगर निवासी रामलाल राठौर उम्र 73 वर्ष का निधन रविवार सुबह हो गया है वे पिछले कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। श्री राठौर संतोष, अरुण, लोकेश्वर राठौर के पिता थे। वह अपने पीछे पत्नी सहित भरा पूरा परिवार रोता बिलखता छोड़ गए हैं उनका अंतिम संस्कार रविवार को सेक्टर- 2, काली मंदिर के पीछे दोदरो रोड स्थित मुक्तिधाम में किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। स्थानीय लोग समेत विभिन्न समाज के लोगों ने स्वर्गीय रामलाल राठौर के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

तालमेल बढ़ाने के लिए कॉलेज में हुई कोशिश

कोरबा। स्कूल की दुनिया से निकल कर कॉलेज में आने वाले विद्यार्थियों के लिए वहां का वातावरण बिल्कुल अलग होता है। ऐसे में नव प्रवेशी विद्यार्थियों को सहज बनाने के लिए कई प्रकार के कार्यक्रम किए जाते हैं। कोरबा के सरकारी मिनीमाता गर्ल्स कॉलेज में इसी उद्देश्य के साथ फ्रेशर्स पार्टी रखी गई। सीनियर और जूनियर विद्यार्थियों ने इसका भरपूर आनंद लिया।

नवीन शिक्षा सत्र के 3 महीने बीतने के बाद कोरबा के मिनीमाता गर्ल्स कॉलेज मैं इस तरह का आयोजन सीनियर विद्यार्थियों की ओर से किया गया। कॉलेज प्रबंधन से इस बारे में विधिवत अनुमति ली गई और फिर कार्यक्रम की योजना बनाई गई। कॉलेज परिसर के सभागार में आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में विद्यार्थियों के द्वारा मनोरंजक प्रस्तुति दी गई। इसके माध्यम से उन्होंने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मीडिया ने कार्यक्रम के बाद विद्यार्थियों से बातचीत की और उनके अनुभव जाने। बताया गया कि एक दूसरे को समझने और सम्मान की भावना को बनाए रखने के लिए यह कार्यक्रम किया गया। इस संस्था में रैगिंग जैसी कुरीति नही है।संस्था के प्राध्यापको ने बताया कि आपसी मेलजोल और सद्व्यवहार के लिए इस तरह की कोशिश जरूरी होती है। एक दूसरे के प्रति समझ विकसित करने के लिए कॉलेज में यह आयोजन किया गया। इसके काफी अच्छे परिणाम आएंगे।

दो महीने से घर नहीं आया पति, संपर्क नहीं होने से पत्नी और बच्चे चिंतित

कोरबा। पति के बिना एक विवाहित महिला का जीना कितना मुश्किल होता इस बात से आप भी भलिभांति परिचित होंगे। लेकिन मुश्किलें उस वक्त और और बढ़ जाती है जब चार बच्चों को पालने की जिम्मेदारी हो। ऐसी ही कुछ कहानी है सुनीता महंत की जिसका पति पिछले दो माह से लापता है। वह इस वक्त कहां और किस हाल ही में है किसी को कुछ पता नहीं है। पति से संपर्क नहीं होने के कारण महिला काफी परेशान है। उपर से ससुराल से कोई मदद नहीं मिलने के कारण चार बच्चों का भरण पोषण करना काफी मुश्किल हो गया है।

सुनीता दास महंत और उसके चार बच्चों के सामने जीवन यापन की समस्या कायम हो गई है क्योंकि सुनीता का पति लंबे समय से गायब है। कोरबा शहर के पंडित रविशंकर शुक्ल नगर स्थित वाल्मिकी आवास में रहने वाली सुनीता का पति पिछले दो माह से लापता है। पति इस वक्त कहां और किस हाल में है इस बात की जानकारी किसी को भी नहीं है। सुनीता के विवाह को करीब 18 साल बीत चुके हैं और उसका ससुराल दर्री के स्याहीमुड़ी स्थित रामनगर में हैं। पति विक्रम दास महंत के साथ वाल्मिकी आवास स्थित अपने मायके में रह रही सुनीता दो माह पूर्व पति के साथ ससुराल गई हुई थी जहां कोई काम होने का बहाना बनाकर विक्रम अपने घर में रुक गया और पत्नी को बच्चों समेत मायके भेज दिया। सप्ताह भर बाद जब पति नहीं लौटा तब सुनीता ने ससुराल में पता किया जहां उसे जानकारी मिलती है,कि पति वहां नहीं हैं और उसका मोबाईल भी बंद है। पति के अचानक लापता हो जाने से सुनीता के सिर पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पति की गुमशुदगी रिपोर्ट दर्री थाने में दर्ज हैं लेकिन दो माह बाद गुजरने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल सका। इधर चार बच्चों को सुनीता किसी तरह पाल पोष रही है। पति के न हाने के कारण सुनीता कितनी परेशान हैं

प्रशासन ने अनुमति नहीं दिया भूविस्थापितों का आंदोलन स्थिगित

कोरबा। एसईसील की चारों परियोजना कोरबा-कुसमुंडा-गेवरा एवम दीपिका से पीड़ित भूविस्थापितो की समस्याओं के निराकरण हेतु कोयलाधानी भूविस्थापित किसान संघ एवम क्षेत्रीय पंचायत प्रतिनिधियो के द्वारा 16 अक्टूबर को एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर का गेट जाम आंदोलन तय किया गया था । जिसके लिए जिला प्रशासन बिलासपुर के अधिकारियों को पत्राचार किया गया था एवम कार्यक्रम के रूपरेखा की जानकारी प्रशासन को उपलब्ध कराई गई थी, जिसमें 500 से अधिक भूविस्थापितों के गेट जाम आंदोलन में सम्मिलित होने का उल्लेख किया गया था।

वर्तमान स्थिति में किसी भी धरना आंदोलन के लिए प्रशासन से अनुमति प्राप्त करना जरूरी हो गया है । चुनाव आचार संहिता भी लागू हो गई है । वर्तमान स्थिति में प्रशासन के द्वारा अनुमति नहीं दिए जाने के कारण आचार संहिता तक स्थगित कर दिया गया है ।

आंदोलन स्थगित होने के कारण आगामी रूपरेखा तैयार करने के लिए 16 तारीख को कोरबा परियोजना के सरायपाली बुडबुड क्षेत्र में बैठक रखी गई है। जिसमें अग्रिम कार्यक्रम की रूपरेखा एवं भुविविस्थापितों की संपूर्ण समस्याओं के संबंध में विस्तार से चर्चा कर निराकरण हेतु निर्णय लिए जाएंगे ।

हरदी बाजार कॉलेज में नवीन छात्रों का किया गया स्वागत

कोरबा। शासकीय ग्राम्य भारती महाविद्यालय हरदी बाजार में नवीन छात्रों के लिए स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में छात्र - छात्राएं शामिल हुए। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य अनिल पांडे, अखिलेश पांडे उपस्थित थे। कार्यक्रम में मनमोहन राठौर, वंदन राठौर, सागर, विक्रम तिवारी, कुसुम, रमेश पटेल, नंदलाल पटेल, निखिल सोनी, अमन चौहान, मोहित साहू, छबिलाल, स्वेता, स्वीटी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

माता के दरबार में प्रज्जवलित किये गए आस्था के ज्योत

कोरबा। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन रविवार को माता के दरबार में आस्था के ज्योत प्रज्जवलित किये गए। चैतमा ग्राम पंचायत में मां महामाया मंदिर में सुबह से देर-रात तक भक्त दर्शन करने पहुंचते रहे। शारदीय नवरात्र पर्व के प्रथम दिवस अलसुबह से मंदिरों के पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए थे। माता के दर्शन करने श्रद्धालुओं का तांता सुबह से ही लगी रही। महिलाओं ने पहले दिन उपवास रखकर अपने सुहाग व परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। 9 दिनों तक भक्त माता की भक्ति में लीन रहेंगे। इस वर्ष चैतमा महामाया मंदिर में लगभग 300 मनोकामना ज्योत जलाए गए हैं। रंगी लाइटों से मंदिर की साज-सज्जा की गई है। चैतमा सहित आसपास गांव में शारदीय नवरात्रि व दुर्गोत्सव बड़े ही श्रद्धा भक्ति के वातावरण में मनाने का निर्णय समितियों द्वारा लिया गया है।

महामाया मंदिर में मनोकामना ज्योति प्रज्ज्वलित कर जवारा बोये गए हैं। वहीं दुर्गा पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर माता की पूजा अर्चना में भक्त लीन हैं। चैतमा महामाया मंदिर प्राचीन मंदिरों में से एक है।

पहले दिन मां को दूध से बनी सफेद मिठाई का भोग, द्वितीया पर मिश्री और पंचामृत, तृतीया पर शक्कर और दूध की मिठाई, चतुर्थी पर मालपुआ, पंचमी पर केला, षष्ठी को शहद, सप्तमी को गुड़, अष्टमी को नारियल और महानवमी पर खीर-पूड़ी और हलवा का भोग लगाया जाता है।

सैलानियों की पहुंच हो रही पर्यटन स्थलों पर

केंद्रों की संख्या पर्याप्त है जिले में

कोरबा। ग्राम पोटापानी को प्रकृति का उपहार मिला है, यहां से करीब दो किमी दूर घने जंगल के बीच नागिन झरना प्रकृति छटाओ से परिपूर्ण सैलानियों को लुभा रहा हैं। पर्यटक स्थल नागिन झरना, मालिन दाई व लक्ष्मण कोठी के बीच स्थित प्रकृति की गोद में बसा हुआ है, जो मनोरम सौंदर्य को बिखेर रही हैं। यहां की कल कल करता झरना, चट्टानों के बीच से होकर बह रहा है। रेतिली बालू ऊंचे ऊंचे टीले, सफेद काली चट्टानें, चारों ओर ऊंचे पहाड़ व हरे भरे पेड़ पौधे, पंछियो की कलरव एवं सुमधुर तान लोगों का मन को मोह रही हैं। शहर की शोर से तंग होकर दूर दराज से सुकून की तलाश में लोग यहां आते है।आने के बाद सब कुछ भूल जाते है और सिर्फ मौज मस्ती करते है। यहां हर मौसम में घूमने एवं पिकनिक मनाने के लिए लोग आते रहते हैं। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर मेला लगता हैं, इस दौरान हजारों की संख्या में लोगों का भीड़ उमड़ती है। नागिन झरना पर्यटक स्थल के रूप विकसित हो रहा हैं, इसके वावजूद सरकार द्वारा उपेक्षा की जा रही हैं। यहां की सुंदरीकरण पोटापानी के समिति द्वारा किया जाता है। पर्यटक स्थल की साफ सफाई एवं देख रेख करती हैं।

चंद्रहासिनी माता, पूर्ण करतीं है सभी की मनोकामनाए

जांजगीर-चांपा। सती के अंग जहां-जहां धरती पर गिरे थे, वहां मां दुर्गा के शक्तिपीठ माने जाते हैं। महानदी व माण्ड नदी के बीच बसे चंद्रपुर में मां दुर्गा के 51 शक्तिपीठों में से एक स्वरूप मां चंद्रहासिनी के रूप में विराजित है। चंद्रमा की आकृति जैसा मुख होने के कारण इसकी प्रसिद्धि चंद्रहासिनी और चंद्रसेनी मां के नाम जगत में फैल रही है, लेकिन इसका स्वरूप चंद्रमा से भी सुंदर है। माता चंद्रसेनी के दर्शनमात्र से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और मां अपने भक्तों की मनोकामनाएं दो अगरबत्ती व फूल से ही पूर्ण कर देती है।

चंद्रपुर रायगढ़ से 32 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां माता चंद्रसेनी का वास है। चारों ओर प्राकृतिक सुंदरता से घिरे चंद्रपुर की फिजां बहुत ही मनोरम है। एक ओर जहां महानदी अपने स्वच्छ जल से माता चंद्रसेनी का पांव पखारती है, वहीं दूसरी ओर माण्ड नदी क्षेत्र के लिए जीवनदायिनी से कम नहीं है। कुछ वर्ष पूर्व चंद्रपुर मंदिर पुराने स्वरूप में था, लेकिन जब से ट्रस्ट का गठन हुआ है, तब से मंदिर व परिसर का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। मंदिर का मुख्यद्वार इतना आकर्षक और भव्य है कि यहां पहुंचने वाले श्रद्धालु उसकी तारीफ किए बगैर नहीं रूकते। इसके बाद मंदिर परिसर में अर्द्धनारीश्वर, महाबलशाली पवन पुत्र, कृष्ण लीला, चीरहरण, महिषासुर वध, चारों धाम, नवग्रह की मूर्तियां, सर्वधर्म सभा, शेष शैय्या तथा अन्य देवी-देवताओं की भव्य मूर्तियां जीवंत लगती हैं। इसके अलावा मंदिर परिसर में ही स्थित चलित झांकी महाभारत काल का सजीव चित्रण है, जिसे देखकर महाभारत के चरित्र और कथा की विस्तार से जानकारी भी मिलती है।

दूसरी ओर भूमि के अंदर बनी सुरंग रहस्यमयी लगती है और इसका भ्रमण करने पर रोमांच महसूस होता है। वहीं माता चंद्रसेनी की चंद्रमा आकार प्रतिमा के एक दर्शन मात्र से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। चंद्रहासिनी माता का मुख मंडल चांदी से चमकता है। ऐसा नजारा देश भर के अन्य मंदिरों में दुर्लभ है। चंद्रहासिनी मंदिर के आगे महानदी के बीच मां नाथलदाई का स्थित मंदिर है।

मां शिरीष पाठ मंदिर में जले आस्था के दीप

जांजगीर चांपा। माता शिरीष पाठ मंदिर डोंगाकोहरौद में आज आस्था के दीप प्रज्जवलित किए गए , जिसमे समिति पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे । ज्ञात हो कि दंतकथा पर आधारित शिरीष पाठ मंदिर की ख्याति स्थानीय ग्राम के अलावा ग्रामीण अंचलों व दुर दराज तक प्रचलित है । यहां शिरीष पेड़ पर आधारित माता की आस्था है , जहां पेड़ पर काली चूड़ी व फीता बांधकर मन्नत मांगने की प्रथा पुरातन काल से चली आ रही है । आज वहां समिति के माध्यम व जन प्रतिनिधियों के सहयोग से बीच खार में मंदिर तक पहुंच मार्ग व माता रानी के साथ अनेक मंदिरों का निर्माण हो गया है , जिसमें शिव मंदिर , हनुमान मंदिर , शनि मंदिर , सतबहनिया मंदिर शामिल है । यहां दोनों पर्व में धूमधाम से नवरात्र पर्व मनाया जाता है , तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा मनोकामना दीप प्रज्जवलित कराए जाते हैं । इस कड़ी में आज क्वांर नवरात्र के पहले दिन नवजागरण शिरीष कल्याण सेवा समिति पदाधिकारी व सदस्यों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में दीप जलाए गए । दीप प्रज्वलन के दौरान प्रमुख पदाधिकारियों में अध्यक्ष देवकुमार पाण्डेय जिलाध्यक्ष कांग्रेस सेवादल , संरक्षक राधेश्याम कश्यप ,सरपंच प्रतिनिधि शिवकुमार गोंड , उपसरपंच मनीष बंजारे , समिति सचिव जोहन पटवा , उपाध्यक्ष बरसन कश्यप , कोषाध्यक्ष रामकृष्ण कश्यप , धनेन्द्र कौशिक , छोटेलाल साहू , सुमन कश्यप , माखन कश्यप , सोसायटी अध्यक्ष घनश्याम साहू , पाण्डव लाल कश्यप , धनीराम विश्वकर्मा , शोभनाथ धीवर , पुजारी बैगा हरिलाल धीवर , गीतेश सारथी , नूतन कश्यप सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन , ज्योत सेवकगण मौजूद थे ।

दो जवारा ज्योति के साथ जले सैकड़ो मनोकामना ज्योति कलश - मां शिरीष पाठ पर आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं द्वारा दोनो नवरात्र के पर्व में मनोकामना पूर्ति हेतु दीप प्रज्जवलित कराए जाते हैं , इस कड़ी में क्वांर नवरात्र पर्व में दो जवारा ज्योति कलश , 171 तेल ज्योति , 16 घृत ज्योति के साथ आठ भक्तों द्वारा सात दिवसीय व तीन दिवसीय ज्योत जलवाये गए हैं ।

ज्ञानोदय कॉलेज ऑफ एजुकेशन जांजगीर में कचरे से कला निर्माण का आयोजन किया गया

जांजगीर। ज्ञानोदय कॉलेज ऑफ एजुकेशन जांजगीर में सहायक प्राध्यापिका डॉ. हेमा तिवारी ,श्रीमती चंचला मिश्रा , श्रीमती तरुणा यादव और श्रीमान अमित कुमार उपाध्याय के मार्गदर्शन में कचरे से कला निर्माण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में ज्ञानोदय कॉलेज ऑफ एजुकेशन के संचालक डॉ. सुरेश यादव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बी.एड. प्रतिक्षार्थियो को संचालक महोदय डॉ. सुरेश यादव के द्वारा बताया गया कि आधुनिक कला 1970 के दशक से विस्तारित अवधि के दौरान किए जाने वाले कलात्मक कार्यो का संदर्भ देता है और उस युग की शैली और दर्शन को दर्शाता है और कल्पनात्मकता कि ओर झुकाव आधुनिक कला की विशेषता को बताया हैं। सहायक प्राध्यापिका डॉ. हेमा तिवारी ने कहा कि कला एक मानवीय चेष्टा हैं।जिसमे एक मनुष्य अपनी उन भावनाओ को जिनका उसने जीवन मे साक्षात्कार किया हो ,उसको कला के द्वारा दर्शा सकता है।

सहायक प्राध्यापिका चंचला मिश्रा द्वारा बताया गया कि यह मैंटिस के परिलक्षित कला के साथ प्रारंभिक आकर्षण को दर्शाता है जो महज कोई काम का नही होता उसे कला के माध्यम से सुंदर आकार दिया जाता हैं। सहायक प्राध्यापिका तरुणा यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि आधुनिक कला कलाकारों ने देखने के नए तरीकों और सामग्रियों और कला के कार्यो की प्रवृति पर नए विचार डाल दिये जो प्रकृति को सुंदर रख सके। सहायक प्राध्यापक श्रीमान अमित कुमार उपाध्याय द्वारा बताया गया कि आधुनिक कला की शुरुआत विन्सेन्ट गॉग द्वारा किया गया 20 वी सदी की शुरुआत में सभी कलाकारों ने जिवंत, बहु रंगी, भाववाहक, कला द्वारा पुरानी चीजो को नए आकार दिये हैं।

ततपश्चात कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए बी.एड. प्रशिक्षार्थियों द्वारा कचरा से कला निर्माण किया गया। अंत में निर्णायक समूह द्वारा कलाकारी को देख कर निर्णय लिया गया जिसमें बी.एड. प्रथम वर्ष से प्रथम स्थान श्वेता सिदार द्वितीय स्थान सभ्यता साहू और तृतीय स्थान वीरेंद्र, प्रतिमा, यशोदा और बी. एड. द्वितीय वर्ष से प्रथम स्थान त्रिदेव सिदार,परशुराम, योगेश,शेषधर द्वितीय स्थान दीप्ति,ज्योति,सुनीता,ममता और तृतीय स्थान भावना पटेल,अंजलि रहे।

ब्रलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर में स्वास्थ्य जांच, कानूनी जागरूकता एवं परामर्श सेमीनार संपन्न

जाँजगीर । ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जाँजगीर में संस्था के संचालक आलोक अग्रवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह के निर्देशन में दिनांक- 14 अक्टूबर 2023 को स्वास्थ्य जांच, परामर्श और विधिक जागरूकता सेमीनार का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को कानूनी जागरूकता, परामर्श, की जानकारी दी गई। जिसमें सर्वप्रथम श्री अजय मिश्रा सीनियर डेवेलपमेंट आफिसर के द्वारा बच्चों को अपने लक्ष्य के प्रति जागरूकता से संबंद्धित निर्देशन दिया गया।

उसके बाद डॉ किरनपाल सिंह चावला (एक्सीक्यूटिव डायरेक्टर, कैरियर प्वाइन्ट) के द्वारा बच्चों के कैरियर से संबंधित तथा मानसिक विचारों को संयमित करने का निर्देशन दिया, जिसमें उन्होंने प्रेरणा दायक वाक्य 'हार्ड वर्क बीट्स टैलेन्ट डज.न्ट वर्क हार्ड' का संदेश बच्चों को दिया। कार्यक्रम की अगली कड़ी को बढ़ाते हुए डॉ. अनिल यादव (सीनियर कन्सल्टेंट अपोलो हास्पिटल बिलासपुर) ने मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यवहारिक विज्ञान पर परिचर्चा एवं परामर्श दिया। अजय जाडे (प्रबंधक अपोलो हास्पीटल, कम्यूनीटी कनेक्ट और प्रमोशन आफ पी.एच.सी.) ने बच्चों को परीक्षा से संबंधित तनाव को दूर करने तथा हर कठिन परिस्थितियों में अपने आप को नियंत्रित करने का तकनीकी ज्ञान दिया। इसी कड़ी में जिला विधिक प्राधिकरण सेवा जांजगीर चाम्पा से डॉ. इन्दु साधवानी व श्रीमती उषा सान्डिल्य (जस्टिस बोर्ड मेंबर्स) ने बच्चों को विधिक संबंधी सलाह तथा मौलिक अधिकारों के विषय में बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं साथ ही उनके मन में उठने वाले बाल अपराध संबंधी समस्याओं का सही मार्गदर्शन किया। इसके बाद शाला प्रांगण में ही क्रिश्चियन मिशन हास्पिटल चाम्पा से डॉ. जेम्स, डॉ. फिलिक्स, डॉ. ऐमी, एस. के मूर्मू, अनीता पटेल, शांतनु दास द्वारा बच्चों के ऑख दांत एवं कान से संबंधित समस्याओं का परीक्षण किया गया। , वेदान्ता हास्पिटल से दन्त चिकित्सक डॉ. दीपक अग्रवाल एवं डॉ. मेघा अग्रवाल ने सभी बच्चों के दांतों की जांच की। आयुर्वेदा हास्पिटल के चिकित्सक डॉ. संजय खरे, डॉ. विद्या कुमारी, डॉ. विजय आनंद बघेल, डॉ. अभिषेक जाटवार, श्रीमती सरिता चतुर्विदाही, कमल नारायण कुर्रे, कन्हैया लाल साहू, शेष बाई हरवंश के द्वारा सफलता पूर्वक सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों का शारीरिक परीक्षण किया तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

साथ ही संस्था में आये हुए पालकों का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शारीरिक एवं विधिक जानकारी प्राप्त कर शाला के समस्त विद्यार्थी उल्लास से भर गये। कार्यक्रम के अंत में आये हुए अतिथियों का प्रतीक चिन्ह के द्वारा सम्मान किया गया, तथा संस्था की प्राचार्या द्वारा इस कायक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं, एडमिन कर्मचारियों तथा ग्राउन्ड लेवल स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अवैध शराब के साथ आरोपियों को किया गिरफ्तार

बिर्रा । थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत करही में पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसडीओपी की टीम के साथ उक्त आरोपी के कब्जे से 30 लीटर महुआ शराब बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रुप से महुआ शराब की तस्करी किए जाने की सूचना लंबे समय से मिल रही थी। लगातार मिल रही शिकायत पर चाम्पा एसडीओपी यदुमनी सिदार ने विशेष टीम का गठन कर ग्राम करही में छापामार कार्रवाई करते हुए मनीराम खुंटे के घर दबिश दी गई।

दबिश के दौरान घर की बाड़ी में छिपाकर रखी अवैध शराब मिली। जिसको जब्त कर पुलिस की टीम ने आरोपी मनीराम को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आबकारी एक्ट 34 (2) के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को रिमांड पर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में एसडीओपी यदुमनी सिदार, निरीक्षक गणेश राजपूत, उपनिरीक्षक कृष्णपाल सिंह सहायक उपनिरीक्षक संतोष बंजारे एवं टीम का विशेष योगदान रहा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर लगातार अवैध कारोबारों पर पुलिस अधीक्षक द्वारा टीम गठित कर अंकुश लगाने निर्देश जारी किए गए हैं। इसी कड़ी में लगातार पुलिस के द्वारा अवैध रुप से शराब की बिक्री करने वालों पर शिकंजा कसा जा रहा है। क्षेत्र में लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

विभाग को सौंपने से पहले ही करोड़ों की सड़क बन गई नमूना, उठे सवाल

जांजगीर चंपा। जांजगीर-चांपा। 265 करोड़ की सड़क में एक नहीं कई स्थानों में इस तरह की दिक्कतें हैं। खासकर पीथमपुर पुल पहली बारिश में ही काफी जर्जर हो चुका है। जिसे पार करना किसी मुसीबत से कम नहीं है। क्योंकि पुल के ऊपर का हिस्सा पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। इससे आए दिन वहां दुर्घटना होती है। गौरतलब है कि एनएच 49 सड़क की सूरत हैंडओवर होने से पहले ही बिगड़ते जा रही है। एक तो सड़क जर्जर हो चुकी है। तो वहीं दूसरी ओर सड़क धंसने लगी है। भारी वाहनों के चलते दिन ब दिन जर्जर होते जा रही है। इससे छोटे वाहन चालकों को इस रूट में चलने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एनएच 49 सड़क जब बनी तो लोगों को उम्मीद थी कि एक सर्वसुविधा युक्त सड़क मिलेगी, लेकिन इस सड़क में भी लोगों को सुकून नहीं मिल रहा है। क्योंकि सड़क उखडने् से धूल भरी सड़क बनकर रह गई है।

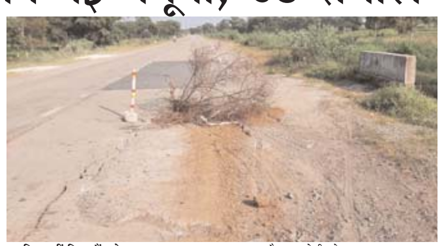

24 करोड़ की पेनान्टी फिर भी नहीं चेता ठेकेदार

इस सड़क की क्वालिटी इतनी घटिया बनी है कि ठेकेदार को 24 करोड़ रुपए का पेनाल्टी लग चुका है। बावजूद ठेकेदार सड़क में लीपापोती कर रहा है। जगह जगह सड़क में दरारें पड़ गई है। जिसमें मरम्मत की लेप लगाई जा रही है। तो वहीं अब सड़क क्रेक होने के बजाए धंसने लगी है। जिससे गुजरना मुश्किलों भरा सफर साबित हो रहा है।

इसलिए नहीं लिया हैंडओवर

एनएच 49 के जिम्मेदार अधिकारियों ने इस सड़क को अब तक हैंडओवर नहीं लिया है। जबकि इस सड़क में बीते डेढ़ साल से आवागमन शुरू हो चुका है। अब विभाग ने इस सड़क पर और भी पैनी नजर रखी हुई है। जहां जहां भी सड़क उखड़ रही है उसे मरम्मत करने के लिए कहा जा रहा है। वहीं ठेकेदार सड़क की मरम्मत भी करा रहा है।

सकरेली फाटक पर टिकी निगाहें

इन दिनों ठेकेदार अपने काम पर पूरा फोकस सकरेली फाटक को पूरा करने में लगा रहा है। क्योंकि सकरेली फाटक में आरओबी का काम चल रहा है। आरओबी को पूरा करन का तय समय में पूरा हो चुका है। फिर भी काम अधूरा पड़ा है। सक्ती कलेक्टर ने ठेकेदार को फटकार लगाते हुए आरओबी को तीन माह में पूरा करने का अल्टीमेटम दिया है। जिसे देखते हुए ठेकेदार इन दिनों सकरेली फाटक में ही ठटा हुआ है।

सड़क जगह जगह धंस रही है। जिसे ठीक कराने के लिए ठेकेदार को बोला गया है। सड़क हैंडओवर होने के बाद ठेकेदार को चार साल तक परफार्मेंस गारंटी देना होता है। जिसके तहत वह चार साल तक सड़क की मरम्मत कराएगा।

- विजय साहू, सब इंजीनियर, एनएच 49

चुनावी सीजन में ज्यादा कर्ज ले लिया किसानों ने

जांजगीर-चांपा। जिला सहकारी बैंकों के जरिए खरीफ सीजन 23-24 के लिए 46 हजार किसानों को 180 करोड़ रुपए का कर्ज बांटा गया है जो लक्ष्य से भी अधिक है। खरीफ सीजन में 160 करोड़ रुपए का ऋण रखा गया था। कर्ज लेने की होड़ जैसी स्थिति रही। अधिक कर्ज लिए जाने के पीछे कहीं न कहीं कर्जमाफी की आस बताई जा रही है।

गौरतलब है कि वर्ष 2018 के विस चुनाव में कांग्रेस ने प्रदेश में सरकार बनने पर किसानों की कर्जमाफी की घोषणा की थी। सरकार बनने के तुरंत बाद किसानों की कर्जमाफी भी की गई थी। जिससे कर्ज लिए किसानों के करोड़ों रुपए माफ हो गए थे। यह साल भी चुनावी है। इसको लेकर एक बार किसानों को लग रहा है कि शायद इस बार भी सरकार कर्जमाफी की सौगात किसानों को दे सकती है। हालांकि इस तरह की कोई घोषणा या वादा सरकार के ओर से नहीं हुई है लेकिन फिर भी बड़ी संख्या में किसानों ने कर्ज लिया है।

खेती-किसानी के लिए किसानों को जीरो प्रतिशत ब्याज दर पर जिला सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को कर्ज मिलता है। सोसायटी में धान बेचते ही किसानों के खाते से यह राशि काट ली जाती है। इस तरह लिकिंग से किसानों को दिए गए कर्ज की वसूली बैंकों के जरिए हो जाती है। पिछले खरीफ सीजन जिला सहकारी बैंकों के जरिए 150 करोड़ रुपए का लक्ष्य रखा गया था और 150 करोड़ रुपए का ही कर्ज बंटा था। इस साल लक्ष्य से ज्यादा किसानों ने डिमांड की थी। इस तरह 20 करोड़ अतिरिक्त कर्ज किसानों को दिया गया।

काम नहीं कर रहा सर्वर, पीडीएस दुकान से बैरंग लौट रहे उपभोक्ता

अकलतरा। सरकारी राशन दुकानों में पिछले चार-पांच दिनों से राशन वितरण की व्यवस्था गड़बड़ा गई है। अकलतरा क्षेत्र में पीडीएस हितग्राहियों को सर्वर में खराबी होने के चलते राशन के लिए भटकना पड़ रहा है। इसके कारण लोगों को राशन के लिए भटकना पड़ रहा है। लोगों को कई बार राशन दुकानों का चक्कर काटना पड़ रहा है। इधर जिम्मेदारों के द्वारा यह सफाई दी जा रही है कि केवल अकलतरा ब्लॉक में ही नहीं पूरे प्रदेश भर में इस तरह की दिक्कतें हो रही है। दरअसल, वन नेशन वन कार्ड के तहत पीडीएस दुकानों में इलेक्ट्रॉनिक पॉइंट ऑफ सेल्स (पीओएस मशीन) के माध्यम से उपभोक्ताओं का अंगूठा लगाकर चावल, शक्कर वितरण की व्यवस्था की गई है मगर सर्वर डाउन होने के कारण थंब मशीन में काफी धीमा काम हो रहा है। इसके कारण पिछले पांच दिनों से हितग्राही राशन दुकानों में अपनी बारी आने के लिए चक्कर काट रहे हैं।

विक्रेताओं का कहना है कि सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली के तहत बीपीएल और एपीएल कार्डधारियों को हर माह शासन से निर्धारित मात्रा में राशन का वितरण किया जा रहा है। लेकिन, पिछले पांच दिनों से सर्वर की समस्या आ रही है। इसके कारण राशन वितरण करने में हितग्राहियों को अतिरिक्त समय लग रहा है। इसके कारण उन्हें उपभोक्तओं के आक्रोश का सामना भी करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि विभाग के अफसरों को इसकी जानकारी दे दी है। इसके बाद भी समस्या का निराकरण नहीं हो सका है।

सर्वर के इंतजार में घंटों इंतजार की मजबूरी

हितग्राहियों के साथ ही विक्रेता भी पीओएस मशीन की तकनीकी समस्या से परेशान हैं। उन्होंने बताया कि पीएसओ मशीन स्लो चल रहा चलता है। सर्वर कभी आता-जाता रहता है। कभी दिन दिन भर सर्वर नहीं रहता। जबकि दुकान में रोज बड़ी संख्या में उपभोक्ता राशन लेने पहुंच रहे हैं। राशन नहीं मिलने से हितग्राही एवं दुकान संचालकों के बीच रोज-कहा सुनी हो रही है। जबकि दुकान संचालक स्वयं इस समस्या को लेकर परेशान हैं। सर्वर डाउन होने की वजह से हितग्राहियों को राशन का वितरण नहीं हो पा रहा है। ऐसे में दुकान संचालक और ग्राहकों के बीच रोजाना विवाद की स्थिति बन रही है। लोग अपने दूसरे काम को छोडकर रोज सुबह राशन दुकान जाते हैं, वहां जाने पर भीड़ में लाइन लगने के बाद सर्वर डाउन की समस्या बता दी जाती है। ऐसे में उन्हें भटकना पड़ता है।

तकनीकी समस्याओं को लेकर उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। जिले की एनआईसी टीम भी मामले को गंभीरता से लेते हुए काम का रही है। आज सर्वर ठीक चला है। जल्द ही हितग्राहियों को हो रही इस समस्या से निजात मिल जाएगी।

मनीषा कश्यप, खाद्य अधिकारी अकलतरा

अनमोल वचन

कभी मायूस मत होना दोस्तो, ज़िन्दगी अचानक कहीं से भी अच्छा मोड़ ले सकती है।

केजरीवाल और केंद्र का रवैया एक जैसा

आम आदमी पार्टी के नेताओं ने संजय सिंह की गिरफ्तारी पर हायतौबा मचा रखी है। अरविंद केजरीवाल रोज मीडिया के सामने आकर केंद्र सरकार पर हमला कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के ऊपर देश का माहौल खराब करने का आरोप लगा रहे हैं। संजय सिंह की गिरफ्तारी, विधायक अमानतुल्ला खान के यहां प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी का छापा और उससे पहले मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी के समय भी केजरीवाल ने केंद्र के खिलाफ एक जैसे आरोप लगाए थे। लेकिन सवाल है कि जब उनको एक पूर्ण राज्य पंजाब की सत्ता मिली और जांच एजेंसी की कमान हाथ में आई तो उन्होंने क्या किया। उनकी सरकार का रवैया भी वैसा ही है जैसा केंद्र सरकार का है। दिल्ली में तो वे कुछ कर नहीं सकते थे क्योंकि हर फैसले पर उप राज्यपाल की मंजूरी लेनी होती है। इसलिए दिल्ली के भाजपा व कांग्रेस नेता बच गए। लेकिन पंजाब में जैसे ही आम आदमी पार्टी की सरकार बनी और पुलिस व भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यानी एसीबी की कमान हाथ में आई वैसे ही राज्य सरकार ने कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल के नेताओं के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया। पार्टी के नेता कह रहे हैं कि वे भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं लेकिन यही बात तो केंद्र सरकार भी कह रही है और केंद्रीय एजेंसियां भी कह रही हैं! फिर क्या फर्क है। अगर केंद्र सरकार कह रही है कि वह भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई कर रही है तो वह ठीक नहीं है लेकिन यही बात पंजाब की सरकार कह रही है तो वह ठीक है! पंजाब सरकार ने पिछले दिनों कांग्रेस के बड़े नेता विधायक सुखपाल सिंह खैरा को गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ आठ साल पहले एक मुकदमा दायर हुआ था, जिसमें कहा गया था कि वे अपने सहयोगी के फोन से तस्करों से बात करते थे। उस मामले में खैरा की गिरफ्तारी से कांग्रेस नाराज है। खैरा की गिरफ्तारी सितंबर के अंत में हुई है और उससे पहले पंजाब सरकार के विजिलेंस विभाग ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य के उप मुख्यमंत्री रहे ओपी सैनी को आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार किया। यानी एजेंसी हाथ में आते ही आप सरकार का दमनचक्र शुरू हो गया। ऐसा नहीं है कि पंजाब सरकार की एजेंसियों के निशाने पर सिर्फ कांग्रेस के नेता हैं। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेताओं पर भी निशाना है। पंजाब का विजिलेंस ब्यरो इन दिनों मनप्रीत बादल के पीछे पड़ा है। मनप्रीत बादल कुछ दिन पहले ही कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए हैं। उनके ऊपर किसी प्राइम लोकेशन पर जमीन खरीद में गड़बड़ी का आरोप लगा है कि पंजा सरकार उनको गिरफ्तार करने के पीछे पड़ी है। उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज हो गई है। बादल पंजाब के वित्त मंत्री रह चुके हैं और प्रदेश के सबसे बड़े नेता रहे प्रकाश सिंह बादल के भतीजे हैं। सोचें, एक छोटे राज्य की एकाध एजेंसी हाथ में आई है तो आप सरकार का क्या रवैया है और इसके बावजूद व केंद्र की एजेंसियों पर पूर्वाग्रह के आरोप लगा रही है!

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज बच्चों को करियर के मामले में कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें गौर से सुनें, भविष्य में आपके लिये फायदेमंद रहेगी। युवाओ को बढ़िया नौकरी मिलने की सम्भावना बन रही है। कारोबार में तरक्की के

वृष राशिः आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। करियर को बढ़ाने मे किये गये प्रयासों के चलते लाभ होगा। संतान की सफलता के कारण, घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। भाई व बहनों का सहयोग आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। बच्चे आज किसी जरूरी काम में अपनी माता की मदद मागेंगे, जिससे उनके काम पूरे होंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में आज आपको ठंडे दिमाग़ से सोचने की जरूरत है, परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। आज भाई किसी काम में आपकी मदद करेंगे। समाज में आज आप बढ़िया कार्यो के कारण पहचाने जायेंगे। छात्रों को सीनियर्स का सहयोग मिलेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगें। आज कोई जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे। पिता के जरिए व्यापार में दी हुई जिम्मेदारियां आप आसानी से निभा लेंगें, पिताजी आपस बहुत खुश होंगे।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। आज आपको किसी महत्वपूर्ण चर्चा में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिसमें आपकी सहभागिता अच्छी खासी रहेगी। जिम ट्रेनर को आज अच्छे ग्राहक मिलेंगे। आज हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में आपका वर्कलोड बढ़ सकता है। जिसके लिये आपको ओवर टाईम करना पड़ेगा। आज अपको किसी करीबी से कोई ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा। माता आज अपने बच्चों को कुछ मीठा बना के खिला सकती हैं। घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य का आज ध्यान रखने की जरूरत है।

तुला राशिः आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपके कार्यों की प्रशंसा दूर-दूर तक लोगों में इत्र की तरह महकेगी। आप सफलता की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ जायेंगे। छात्र किसी खास मामले में एकांत और शांति से विचार करेंगे, तो सब ठीक हो जायेगा। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी योजनाएं बनाएंगे जिससे आपको फायदा होगा। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात कर के समय बितायेंगें। परिवारिक समस्याओं को सॉल्व करने में बड़े-बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। बिजनेस में कोई बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज आप कुछ नया काम स्टार्ट करने की सोच सकते हैं, लेकिन शुरू करने से पहले अपनों से बड़ों की सलाह जरूर ले लें। किसी कोर्ट केस का फैसला आपके पक्ष में रहेगा। अगर आप लोन लेना चाहते हैं तो आज का दिन अच्छा है।

मकर राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्यों को पूरा करने में लगा रहेगा। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगायेंगे, इससे आपको पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा। जो लोग डांस सीखना चाहते हैं, वह सोशल मिडिया की मदद से सीखेंगे। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ सकती है।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज इस बात का खास ख्याल रखें कि दूसरों से तभी दोस्ती करें जब उसके बारे में पूरी जानकारी कर लें और उसे भली-भांति समझ लें। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

मीन राशिः आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से पॉजीटिव रिजल्ट मिलेगा। सफलतायें छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी। ऑफिस के कार्यो को करते समय फोक्स बनायें रखें। आपको जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, उसे अपनी समझदारी से बखुबी निभायेंगें। आज अपने दोस्त के किसी काम में सहयोग करेंगे।

गाज़ा पट्टी के पेच-ओ-ख़म और गंगा आरती

//पंकज शर्मा//

इज़राइल के प्रधानमंत्री बैंजामिन नैतन्याहू चूंकि घोर दक्षिपंथी हैं और हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई के वे बड़े नज़दीकी मित्र माने जाते हैं, सो, हिंदुत्ववादी कर्तव्यबद्ध हैं कि इज़राइल के समर्थन में गंगा आरती करें। हमासी-वहशीपन और फ़लस्तीनी-सरोकार के घालमेल की साज़िशों में मत फंसिए। इसलिए कि आज के भेड़िया धसान दौर में कोई आपको यह नहीं बताएगा कि पिछले शनिवार को शुरू हुए दुर्भाग्यपूर्ण युद्ध से पहले फ़लस्तीन और इज़राइल के बीच 26 बार बड़े युद्धनुमा संघर्ष हो चुके हैं। यह 27वां है। कौन आपको यह बताएगा कि इनमें कितनी बार किस की पहलक़दमी रही।

मैं ने नरेंद्र भाई मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के लोगों को अस्सी घाट पर इज़राइल की हिमायत में गंगा आरती करते देखा। पिछले शनिवार की पौ फटने के आसपास इज़राइल पर हमास (हरकतुल मुकावमतुल इस्लामिया) के हमले ने दुनिया को तो जो हिलाया, सो, हिलाया; भारत में हिंदू हृदय सम्राट के सोच-हीन तरफ़दारों को भीतर तक ऐसा हिला दिया कि यह पूरा हफ़्ता हिल-हिल-हिल-हिल करता बीता है। वे भी, जिन्हें न फ़लस्तीन की अवधारणा मालूम, न इज़राइल की संकल्पना का अता-पता, अपने मुखारबिंद से कुतर्कों का अनवरत पतनाला बहा रहे हैं।

एक वाहन पर रखे तक़रीबन निर्वस्त्र महिला के शव पर पैर पसारे बैठे हमास के हथियार लहराते पिशाचों की तस्वीर देख कर कौन नहीं हिल जाएगा। सब हिल गए। मैं भी उन सब में शामिल हूं। कौन इस दरिंदगी की ताईद कर सकता है। हमास के दस-पांच हज़ार दहशतग़र्दों को छोड़ कर खुद फ़लस्तीन के 50-60 लाख बाशिंदों में से एक भी इस बेहूदगी को ठीक नहीं ठहराएगा। इसलिए कि आख़िर वे और उनकी औरतें-बच्चे बरसों-बरस से जितना भोग चुके हैं, जितना भोग रहे हैं, उसकी यादें ही उन्हें इस क़दर सिहरा देने को काफी हैं कि वे किसी और के साथ ऐसे ज़ुल्म की हिमायत कर ही नहीं सकते।

लेकिन ज़रा-सा मौक़ा मिलते ही अपनी भुजाएं फड़काना शुरू कर देने वाले बुद्धिहीन तन पिछले एक दशक में खर-पतवार की तरह तेज़ी से ऐसे पसरे हैं कि 'जय-जय श्रीराम' ही भारत के भाग्य की रक्षा करें। इज़राइल के प्रधानमंत्री बैंजामिन नैतन्याहू चूंकि घोर दक्षिपंथी हैं और हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई के वे बड़े नज़दीकी मित्र माने जाते हैं, सो, हिंदुत्ववादी कर्तव्यबद्ध हैं कि इज़राइल के समर्थन में गंगा आरती करें। हमास के सुन्नी आतंकियों के लिए इससे बड़ा सबक क्या हो सकता है कि गाज़ा पट्टी से साढ़े चार हज़ार किलोमीटर दूर भारत में गंगा तट पर उनके विरोध में ताली-थाली बज रही है। लाइलाज़ बीमारियों से निपटने का यह अचूक नुस्ख़ा तीन-चार साल पहले ही हमारे हाथ में थमाया गया है।

हमास-इज़राइल संघर्ष में अब तक हज़ारों लोग मारे जा चुके हैं, हज़ारों जखूमी हैं और हज़ारों घर उजड़ चुके हैं। हमास हमले के दो दिन बाद हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में जैसे ही यह प्रस्ताव पारित हुआ कि पार्टी फ़लस्तीन-मुद्दे के साथ है और मानती है कि इज़राइल और फ़लस्तीन को अपने विवाद आपसी बातचीत से हल करने चाहिए, 'अक्ल के अंधे' कांग्रेस पर टूट पड़े। हल्ला शुरू हो गया कि राजनीतिक फ़ायदे उठाने के लिए अब कांग्रेस आतंकियों का समर्थन करने से भी बाज़ नहीं आ रही है, वह देशहित के ख़िलाफ़ जा रही है, वह भारत-सरकार से उलट रुख़ अपना रही है। तीन दिनों तक इस गलाफाडू शोर के बाद भारत-सरकार के विदेश मंत्रालय ने एक अधिकारिक बयान जारी कर कहा कि ''फ़लस्तीन और इज़राइल को ले कर हमारी नीति दशकों से अविचल और स्थिर है। भारत हमेशा से मानता है कि इज़राइल की बगल में; मान्यता प्राप्त और सुरक्षित सरहदों के भीतर; सार्वभौम, स्वतंत्र और सक्षम फ़लस्तीन राष्ट्र की स्थापना का मसला आपसी बातचीत से हल होना चाहिए। आज भी हम इसी नीति पर कायम हैं।''मैं अवाक हूं। मेरी समझ में ही नहीं आ रहा है कि क्या नरेंद्र भाई की सरकार आतंकियों के समर्थन में खड़ी हो गई है। क्या अब 'हिंदू तन-मन, हिंदू जीवन' के तरन्नुम पर तैर रही कर्तव्यबद्ध कतार फ़लस्तीन के समर्थन में गंगा आरती करेगी। या वह अपने नरेंद्र भाई की इस उलटबांसी के लिए उन्हें वैसे ही कोसना शुरू कर देगी, जैसे वह दो दिन पहले तक राहुल गांधी को धिक्कार-धिक्कार कर देशद्रोही बता रही थी। अरे, इन वैशाखनंदनों को कोई समझाए कि फ़लस्तीन-अस्मिता और हमास की उपस्थिति दो अलग-अलग चीज़ें हैं। फ़लस्तीन हमास नहीं है। हमास फलस्तीन नहीं है। वैसे ही जैसे कि हिंदू-अस्मिता और बजरंगदल की उपस्थिति दो अलग-अलग चीज़ें हैं। हिंदू-जीवन क्या बजरंगदली होना है। ऐसे ही फ़लस्तीनी होने का यह अर्थ कतई नहीं है कि आप अनिवार्य तौर पर हमासी हुड़दंगिए हैं। ऐसा मानना पूरे फ़लस्तीनी-मसले का अतिसामान्यीकरण करना होगा। क्या हम हमास के मुखिया इस्माइल अब्देल सलाम अहमद हनियेह को फ़लस्तीनी मुक्ति संगठन के मुखिया यासर अराफ़ात का भी पितृ-पुरुष मान लें? हमास तो आज यासर अराफ़ात द्वारा शुरू की गई शांति-वार्ताओं की पहल को भी नामंजूर करता अर्रा रहा है।

इसलिए हमासी-वहशीपन और फ़लस्तीनी-सरोकार के घालमेल की साज़िशों में मत फंसिए। इसलिए कि आज के भेड़िया धसान दौर में कोई आपको यह नहीं बताएगा कि पिछले शनिवार को शुरू हुए दुर्भाग्यपूर्ण युद्ध से पहले फ़लस्तीन और इज़राइल के बीच 26 बार बड़े युद्धनुमा संघर्ष हो चुके हैं। यह 27वां है। कौन आपको यह बताएगा कि इनमें कितनी बार किस की पहलक़दमी रही। कौन आपको यह बताएगा कि पिछले कई दशकों में हुई इन हिंसक घटनाओं में कितने फ़लस्तीनी मारे गए और कितने इज़राइली। इनमें कितनी फ़लस्तीनी औरतों ने असहनीय अत्याचार झेले और कितनी इज़राइली औरतों ने। युद्ध की त्रासदियों का पैमाना यह नहीं होता है कि किस तरफ़ के कितने लोग मारे गए, किस तरफ़ के कितने परिवार उजड़े, मगर फिर भी यह समझ लेने में कोई बुराई नहीं है कि इज़राइल और फ़लस्तीन के बीच हुए अब तक के संघर्षों में ज़्यादती हर लिहाज़ से फ़लस्तीन के साथ ही होती रही है। इसलिए किसी एक ताज़ा घटना से अंतिम निष्कर्षों पर पहुंच जाना ठीक है। गाज़ा पट्टी की पेचीदगियों को मोशे दायां की तरह एक आंख पर पट्टी बांध कर देखने से तो सारे दृश्य ही गड्डमड्ड हो जाएंगे।आपको भी मेरी तरह लगता होगा कि बैंजामिन नेतन्याहू हमारे नरेंद्र भाई के व्लादिमिर पुतिन से तो ज़्यादा ही क़रीबी हैं। तो जब नरेंद्र भाई रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध, चंद घंटों के लिए ही सही, रुकवा सकते हैं तो इज़राइल को गाज़ा पट्टी पर कुछ दिनों के लिए थोड़ा रहम करने को क्यों नहीं कह सकते हैं। मैं तो मानता हूं कि रूस-यूक्रेन युद्ध में नरेंद्र भाई शांतिदूत की कोई कारगर भूमिका कभी निभा पाएं, न निभा पाएं, इज़राइल-फ़लस्तीन मसले में शांति स्थापना की प्रभावी कोशिशें वे सचमुच कर सकते हैं। उनके सऊदी अरब से भी अच्छे संबंध हैं और ईरान से भी। कतर से ले कर लेबनान, बहरीन, मोरक्को, टर्की, यमन, टयूनीशिया, कुवैत ङ्क आख़िर कौन है, जो नरेंद्र भाई को नकार देगा। संयुक्त अरब अमीरात से तो नरेंद्र भाई जैसा कहेंगे, सब मान लेंगे। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में खुद पीछे-पीछे आ कर नरेंद्र भाई से मुख़ातिब होने की हुलस रखने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन इज़राइल-फ़लस्तीन मामले में क्या उनकी बात टाल देंगे।

मैं यह सब सचमुच पूरी संजीदगी से कह रहा हूं। जो मौक़ा नरेंद्र भाई के पास है, वह शायद ही पहले किसी प्रधानमंत्री के पास था। फ़लस्तीन-प्रसंग में भारत को ले कर इज़राइल हमेशा से शंकालु ही रहा आया है। पर आज इज़राइल के भारत पर भरोसे का स्वर्ण-युग चल रहा है। ऐतिहासिक कारणों की वज़ह से फ़लस्तीन को भी इस दौर में भारत पर कोई संदेह नहीं है। ऐसे में गाज़ा पट्टी की रस्सी पर नरेंद्र भाई का संतुलित प्रस्थान भूमध्य सागर के दक्षिण पूर्वी छोर पर अमन के आगाज़ का नया अध्याय आरंभ कर सकता है। सोचिए, नरेंद्र भाई, सोचिए!

कांग्रेस प्रादेशिक नेताओं के भरोसे

//हरिशंकर व्यास//

कांग्रेस हर राज्य में चेहरा प्रोजेक्ट करके लड़ रही है। कांग्रेस ने सिर्फ चेहरा प्रोजेक्ट नहीं किया है, बल्कि सब कुछ प्रदेश नेताओं के हवाले छोड़ा है। टिकट तय करने से लेकर चुनाव से पहले योजनाओं की घोषणा करने का मामला हो या प्रचार की रणनीति का मामला हो, सब पार्टी के प्रादेशिक नेता कर रहे हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता सिर्फ प्रचार और रैलियों के लिए जा रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि कर्नाटक की सफलता से उत्साहित कांग्रेस ने यह रणनीति अपनाई है। वहां कांग्रेस ने सब कुछ सिद्धरमैया और डीके शिवकुमार के ऊपर छोड़ा था, जिन्होंने कांग्रेस को बड़ी जीत दिलाई।

मध्य प्रदेश कुछ हद तक अपवाद हो सकता है क्योंकि पिछली बार भी चुनाव से पहले ऐसा मैसेज बन गया था कि पार्टी जीती तो कमलनाथ मुख्यमंत्री होंगे। लेकिन राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सब कुछ ओपन था। राजस्थान में सचिन पायलट प्रदेश अध्यक्ष थे और जयपुर से लेकर दिल्ली तक पत्रकार लिख रहे थे कि कांग्रेस जीती तो सचिन मुख्यमंत्री होंगे। हालांकि चुनाव लड़ाने में अशोक गहलोत, सचिन पायलट और पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व में समान भूमिका निभाई थी। इसी तरह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल प्रदेश अध्यक्ष थे लेकिन यह किसी को पता नहीं था कि पार्टी जीती तो वे मुख्यमंत्री होंगे। क्योंकि टीएस सिंहदेव और ताम्रध्वज साहू दो अन्य बड़े दावेदार थे। लेकिन इस बार सब कुछ उलटा हो रहा है। इस बार तीनों राज्यों में कांग्रेस ने सब कुछ चुनिंदा चेहरों के हवाले छोड़ा है।

राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सब कुछ संभाले हुए हैं। इस साल बजट के बाद से उन्होंने इतनी घोषणाएं की हैं और इतनी योजनाएं शुरू कर दी हैं कि समूचा चुनावी परिदृश्य बदल दिया है। चुनाव की घोषणा से दो दिन पहले उन्होंने जाति गणना कराने का आदेश देकर ओबीसी कार्ड भी बखूबी खेला है। कांग्रेस का पूरा चुनाव एक तरह से वे संभाल रहे हैं। उधर मध्य प्रदेश में पार्टी ने कमलनाथ के नाम की घोषणा है। पार्टी के राष्ट्रीय नेता भी कह चुके हैं कि कांग्रेस जीती तो वे सीएम होंगे। वे अपने हिसाब से सब कुछ कर रहे हैं और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के साथ उनका परफेक्ट तालमेल दिख रहा है। दोनों मिल कर चुनाव लड़वा रहे हैं। कमलनाथ अपने हिसाब से नरम हिंदुत्व का एजेंडा चला रहे हैं। वे हिंदुत्व को लेकर किसी तरह का विवाद नहीं होने देना चाहते हैं। तभी कहा जा रहा है कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की भोपाल में प्रस्तावित पहली रैली इसी वजह से रद्द करनी पड़ी। उधर छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने सब कुछ भूपेश बघेल के ऊपर छोड़ा है। उन्होंने भी इस साल बजट के बाद अनगिनत योजनाएं घोषित की हैं। उन्होंने भी नरम हिंदुत्व का रास्ता चुना है। गाय, गोबर पर वे भाजपा से ज्यादा सक्रिय हैं। राम वन गमन पथ की परियोजना पर भी उनकी सरकार काम कर रही है। हालांकि पार्टी का अंदरूनी विवाद खत्म करने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने टीएस सिंहदेव को उनका उप मुख्यमंत्री बनाया है लेकिन फैसले सारे बघेल ही कर रहे हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर चुनावी एजेंडे तक में उनकी भूमिका अहम है। इसी तरह तेलंगाना में कांग्रेस ने सब कुछ प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के ऊपर छोड़ा है। उम्मीदवारों के नाम की छंटनी करने से लेकर प्रचार का एजेंडा तय करने और रैलियों आदि का काम सब कुछ उनके जिम्मे है। वे कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ मिल कर पार्टी को तेलंगाना में चुनाव लड़ा रहे हैं।

वायु प्रदूषण की चुनौती

वैसे तो हवा में प्रदूषकों की मात्रा का 50 अंक से ऊपर जाना ही हानिकारक होता है, लेकिन यह 300 से ऊपर पहुंच जाए, तो फिर सांस लेना भी खतरनाक हो जाता है। दिल्ली में हर साल यह मात्रा 300 से ऊपर पहुंचती है। दिल्ली और आसपास के इलाकों को इस वर्ष अब तक राहत महसूस हो रही थी। इस साल थोड़े-थोड़े अंतराल पर पर्याप्त बारिश होती रही, जिससे कई वर्षों से चली आ रही वायु प्रदूषण की समस्या यहां के लोगों को नहीं झेलनी पड़ी। लेकिन अक्टूबर आते ही फिर से वायु प्रदूषित होने की खबरें आने लगीं। यह चिंता इस हफ्ते सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची है। तो न्यायायल ने वायु प्रदूषण प्रबंधन आयोग से हवा साफ रखने के लिए उठाए गए कदमों पर जवाब मांगा है। कोर्ट ने पराली जलाने और अन्य कारणों से होने वाले प्रदूषण के बारे में न्यामित्र के रूप में सुप्रीम कोर्ट की सहायता कर रही वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह की दलीलों को सुना। कोर्ट को बताया गया कि ठंड की शुरुआत और दीवाली आने के साथ ही वायु प्रदूषण की समस्या और बढ़ने वाली है। इसके संकेत पहले से मिल रहे हैं। इस बीच दिल्ली सरकार ने शीतकालीन कार्ययोजना के तहत सात अक्टूबर से सात नवंबर तक एंटी डस्ट कैंपेन की शुरूआत की है। बहरहाल, पराली जलाने की समस्या का कोई समाधान अभी सामने नहीं है। खेतों से फसल काट लेने के बाद पराली को जलाना पंजाब और हरियाणा सहित कई दूसरे राज्यों में भी आम बात है। इसका धुआं दूर-दूर तक फैलता है। इसके अलावा बिना पूरे एहतियाती उपाय किए निर्माण कार्य जारी रहने के कारण हवा में धूल मिलती है। ऊपर से ठंड के कारण धुंध उन पर आ बैठती है। निर्माण के कारण उड़ने वाली धूल, गाड़ियों से निकला धुआं और खेतों में पराली जलने से उठा धुआं स्मॉग की चादर निर्मित करते हैं। धुंध, धुएं और धूल से मिल कर ठंडी हवा भारी हो जाती है और आसमान पर स्मॉग छा जाता है। वैसे तो हवा में प्रदूषकों की मात्रा का 50 अंक से ऊपर जाना ही हानिकारक होता है, लेकिन यह 300 से ऊपर पहुंच जाए, तो फिर सांस लेना भी खतरनाक हो जाता है। दिल्ली में हर साल यह मात्रा 300 से ऊपर पहुंचती है।

हर सभा में भ्रष्टाचार का मुद्दा

वे हर सभा में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठा रहे हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश में गुरुवार को सभा में नौजवानों से अपील करते हुए कहा कि वे 2013 और उससे पहले के अखबारों की सुर्खियां देखें तो लाखों करोड़ रुपए की लूट की खबरें दिखेंगी। यह कहते हुए वे झूठ नहीं बोल रहे थे। सचमुच 2013 और उससे पहले कई बरसों तक संचार घोटाला, कोयला घोटाला, कॉमनवेल्थ घोटाला, देवास-अंतरिक्ष घोटाला आदि की खबरें छपती रही थीं। उसी से भ्रष्टाचार का नैरेटिव बना, इंडिया अगेंस्ट करप्शन खड़ा हुआ, अन्ना हजारे मैदान में उतरे और कांग्रेस साफ हुई। तभी प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने सुनिश्चित किया हुआ है कि चाहे जो हो जाए उनकी सरकार के बारे में घोटालों की खबर नहीं छपनी चाहिए। मीडिया पर नियंत्रण इसलिए किया गया ताकि खबरें न छपें। मोदी को पता है कि खबर झूठी हो या सही अगर लगातार छपती रही तो जनता के दिमाग में जगह बनाती है। उससे धारणा बनती है। सबको पता है कि संचार घोटाले का क्या हस्र हुआ। सारे आरोपी निचली अदालत से बरी हो गए। लेकिन उस घोटाले की खबरों ने कांग्रेस और डीएमके दोनों को सड़क पर ला दिया था। बहरहाल, जिस तरह से संजय सिंह ने अदालत में कहा कि मोदी हार रहे हैं इसलिए एजेंसियां कार्रवाई कर रही हैं उसी तरह की बातें अनेक यूट्यूबर कह रहे हैं कि मीडिया के लोगों पर छापे इसलिए पड़ रहे हैं क्योंकि मोदी हार रहे हैं। लेकिन यह अधूरी बात है। मोदी हार रहे हैं इसलिए पत्रकारों के ऊपर दिल्ली पुलिस ने छापा नहीं मारा, बल्कि इसलिए छापा मारा ताकि मीडिया को मैसेज दिया जाए कि आठ महीने में चुनाव होने वाले हैं और सरकार को बदनाम करने वाली कोई खबर नहीं आनी चाहिए। वैसे भी सरकार के खिलाफ कोई खबर मुख्यधारा की मीडिया में तो नहीं आती है। फिर भी ऐहतियात बरतते हुए एक मैसेज दिया गया। उसको हार-जीत के नजरिए से देखने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री को पता है कि मीडिया की ताकत क्या होती है।

तस्वीरों की दुनिया

मैसूरु में दशहरा 2023 समारोह के उद्घाटन के दौरान निजी दरबार हॉल में मैसूर के महाराजा यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नई दिल्ली में संसद पुस्तकालय भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जम्मू में नवरात्रि उत्सव के पहले दिन बाहु किले के अंदर काली माता मंदिर में गए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

जयपुर में नवरात्रि उत्सव के पहले दिन शिला माता मंदिर अंबर किले में प्रार्थना करने के लिए भक्त कतार में खड़े हैं।

दिल्ली भाजपा के ओबीसी विंग के कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली में तेलंगाना भवन में राज्य से संबंधित कई मुद्दों पर बीआरएस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में इंग्लैंड और अफगानिस्तान विश्व कप मैच की शुरुआत से पहले मैदान पर आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 ट्रॉफी।

महाराजा अग्रसेन काल की सभ्यता से रूबरू होगी दुनिया, केंद्र ने अग्रोहा में फिर खुदाई का दिया आदेश

अग्रोहा, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

महाराजा अग्रसेन की राजधानी रही अग्रोहा प्राचीनतम सभ्यताएं रही हैं। महाराजा अग्रसेन काल सभ्यता आजतक दबी हुई है, जिसकी खुदाई कर उसे दुनिया के सामने लाया जाएगा। यहां पर रोमन सभ्यता कुषाण काल के समय अवशेष के वैज्ञानिक प्रमाण मिले हैं कि यह अत्यंत पुरानी सभ्यता के निशान है। यहां पर कई सभ्यताएं आई।हजारों साल तक यह सिलसिला चलता रहा। जिस समय हिसार का फिरोजशाह किला बना था, उसमें यहीं की सामग्री लगी हुई है। इस किले में एक पिलर है जो 234 बीसी का है। वह भी अग्रोहा से लिया गया है। केंद्र सरकार ने अग्रोहा पुरातात्विक स्थल एवं निकटवर्ती क्षेत्र का समग्र विकास राखीगढ़ी माडल के अनुसार एमओयू के माध्यम से करने की मंजूरी देने के बाद इसके राज खुलेंगे। 44 साल बाद अग्रोहा में एक बार फिर से खुदाई का कार्य किया जाएगा। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने बताया कि भारत में ब्रिटिश शासन काल में एक रोबोट्स नाम के वैज्ञानिक हुए, जिन्होंने यहां केवल 15 दिन का पुरातत्व सर्वे किया था।

उसके बाद सन 1926 में अंग्रेज सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी करते हुए अग्रोहा और उसके आसपास के क्षेत्र को संरक्षित कर घोषित कर दिया था। उसके बाद सन 1939 और सन 1979 में दो बार खुदाई की और फिर अचानक इसे रोक दिया। 1979 में की गई खोदाई में मिले ऐतिहासिक सभ्यता के अवशेषों को लेकर आस जगी थी कि यहां से प्राचीन इतिहास के बारे में बहुत सी जानकारी मिल सकती है। प्राचीन ग्रंथों विष्णु पुराण, लक्ष्मी पुराण, अग्रभागवत पुराण में अग्रोहा का वर्णन आया है। जहां प्राचीन समय में अग्रोहा को अग्रोदक के नाम से जाना जाता था।

अग्रोदक साम्राज्य जो कि सरस्वती से गंगा नदी के बीच में फैला हुआ था। इसके अंतर्गत 18 गणराज्य आते थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने बताया कि महाराजा अग्रसेन का शासन 500 वर्गमील तक फैला हुआ था, जहां कहीं खोदाई का कार्य होने पर महाराजा अग्रसेन कालखंड की वस्तुएं सामने आ रही है। राखीगढ़ी में हुई खोदाई में मिली सामग्री में मिले मटके, मनके, माला सिक्कों व अन्य अवशेषों से महाराजा अग्रसेन काल खंड का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। 1979 में अग्रोहा टीले की खोदाई के दौरान महाभारत कालीन सभ्यता के प्रमाण मिल चुके हैं।

अमेरिकी अभिनेत्री सुजैन सोमर्स का निधन, 76 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

कैलिफोर्निया, 16 अक्टूबर ।

अमेरिकी अभिनेत्री सुजैन सोमर्स का 76 साल की उम्र में निधन हो गया है। समाचार एजेंसी रायटर के अनुसार, अभिनेत्री सुजैन सोमर्स ने मशहूर टीवी शो थ्रीस कंपनी में अहम भूमिका निभाई थी। अभिनेत्री सुजैन सोमर्स के प्रवक्ता आर. कौरी ने एक बयान में बताया कि सुजैन सोमर्स ने 15 अक्टूबर की सुबह अपने घर पर अंतिम सांस ली। सुजैन के परिवार में उनके बेटे ब्रुस और पति एलन थे। 16 अक्टूबर को सुजैन का 77वां जन्मदिन मनाया जाना था। इसके चलते परिवार के लोग इकट्ठा हुए थे। सुजैन सोमर्स को 1970 के दशक के लोकप्रिय टीवी शो थ्रीस कंपनी से पहचान मिली थी। सोमर्स को साल 2000 में ब्रेस्ट कैंसर हुआ था। हालांकि, उन्होंने इसी साल जुलाई में इस बारे में बताया था कि उनमें दोबारा से ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण देखने को मिले हैं।

बिग बॉस के मंच पर ईशा मालवीय ने अभिषेक कुमार पर लगाया मारपीट का आरोप, आगबबूला हुए सलमान खान

मुंबई, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

रियलिटी शो बिग बॉस 17 का आगाज हो गया है। शो में सभी कंटेस्टेंट ने एंट्री कर ली है। ग्रैंड प्रीमियर में जिसने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा, वो ईशा मालवीय और अभिषेक कुमार हैं। दोनों एक्स लवर रह चुके हैं। ग्रैंड प्रीमियर में दोनों के बीच बुरी लड़ाई हुई, जिसके बाद सलमान खान भी गुस्सा हो गए। अभिषेक कुमार और ईशा मालवीय ने उडारियां में साथ काम किया था। शूटिंग के दौरान ही उनके बीच नजदीकियां बढ़ीं और दोनों ने डेटिंग शुरू कर दी थी, लेकिन पॉजेसिवनेस की वजह से उनका ब्रेकअप हो गया था। बिग बॉस में दोनों की साथ में एंट्री हुई और सलमान खान के सामने दोनों अपना ब्रेकअप लेकर बैठ गए और बुरी तरह लड़ने लगे।सलमान खान के शो में आने आते ही स्क्रीन पर ईशा और अभिषेक का इंटरव्यू दिखाया गया, जिसमें दोनों ने एक-दूसरे के बारे में बात की थी। अभिषेक ने कहा कि वह ईशा मालवीय से बहुत प्यार करते थे, लेकिन उनका ब्रेकअप हो गया, जिससे उबरने में उन्हें काफी वक्त लगा। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें सबसे ज्यादा दुख इस बात से हुआ कि ब्रेकअप के तुरंत बाद ईशा ने दूसरा ब्वॉयफ्रेंड बना लिया था। अभिषेक ने ये भी कहा कि ईशा और उनका ब्रेकअप एक्ट्रेस की मां की वजह से हुआ। उन्होंने ईशा से बात नहीं करवाई। इसके अलावा ईशा मालवीय ने अभिषेक के साथ अपने रिश्ते से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि वह अभिषेक को डेट नहीं कर रही थी। उनके बीच बस अटैचमेंट था। ईशा ने ये भी कहा कि अभिषेक काफी पॉजेसिव हैं। इसी बीच अभिषेक ने यूज करने वाली बात की, जो ईशा को काफी बुरी लगी।अभिषेक कुमार ने कहा कि अगर उन्हें ईशा की वजह से अटेंशन मिलता है तो वह उनका यूज भी कर लेंगे, जिसके बाद वह काफी नाराज हुईं। दोनों के बीच गरमा-गरमी हुई। ईशा ने कहा कि अभिषेक बहुत पॉजेसिव हैं। एक किस्सा सुनाते हुए ईशा ने कहा कि उडारियां के सेट पर उनकी और अंकित की शादी होने वाली थी, इस बात से परेशान अभिषेक ने खुद को घंटों बंद कर लिया था।अभिषेक ने माना कि हां वह पॉजेसिव हैं।

फलस्तीनियों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है हमास फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास का बयान

यरुशलम 16 अक्टूबर। हमास के हमले के बाद इजरायल ने गाजा में युद्ध छेड़ दिया है। इजरायली सेना लगातार गाजा में कार्रवाई कर हमास के ठिकानों को निशाना बना रही है। इस युद्ध के बीच फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने बड़ा बयान दिया है। समाचार एजेंसी के अनुसार, फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने कहा कि इजरायल पर हमास की कार्रवाई फलस्तीनियों का प्रतिनिधित्व नहीं करती है। फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने ये बयान ऐसे समय में दिया है, जब इजरायल की सेना की ओर से हमास को बड़े पैमाने पर निशाना बनाया जा रहा है। महमूद अब्बास ने कहा कि हमास की कार्रवाई और नीतियां फलस्तीनी लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं।

विकास के नाम पर हवा में उड़ा दिए करोड़ों रुपये नौ साल बाद आज होगा घोटाले पर अंतिम फैसला

बाराबंकी, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

विकास कार्यों के नाम पर हवा में करोड़ों रुपये खपा दिए गए। कारण बताओ नोटिस जारी हुई। साक्ष्य मांगे गए, लेकिन ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत आडिट के दौरान न तो बिल बाउचर और न ही सामग्री खरीद की रसीद दिखा सकी। अधिकारी भी कार्रवाई करने में असहाय दिखे। अब इन फाइलों का मामला पंचायत राज समिति के पास पहुंच गया है।

शासन से नामित विधायकों की टीम, प्रमुख सचिव और निदेशक नौ वर्ष बाद सोमवार को इस पर निर्णय लेंगे। 2014-15 में हुई आडिट में विकास कार्यों में खर्च पैसा का हिसाब ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत नहीं दे पाई थीं। नौ वर्षों से स्पष्टीकरण और बिल बाउचर मांगे जा रहे हैं। अब जाकर लखनऊ में सोमवार को पंचायत राज समिति की बैठक होगी। इसमें विधायक, प्रमुख सचिव, निदेशक आदि मौजूद रहेंगे।बाराबंकी सहित तमाम जनपदों से आई आपत्तियों पर विचार किया जाएगा और निर्णय होगा कि उनसे पैसों की वापसी कराई जाए या फिर एक महीने का मौका देकर कागज प्रस्तुत करने के लिए कहा जाए। जिले में 60 ग्राम पंचायतों में 275 आपत्तियां हैं। प्रतिवेदन वर्ष 2014-15 और 2015-16 में ग्राम पंचायतों में लेखा परीक्षक ने आडिट किया तो हिसाब नहीं मिला था। आडिट टीम ने पैसा वापसी के लिए लिख भी दिया है। बताया जा रहा है कि करीब दो करोड़ से अधिक का पैसा खर्च करने का हिसाब ग्राम पंचायतों के पास नहीं है। जिला पंचायत राज अधिकारी रोहित भारती ने बताया कि कार्रवाई के लिए सभी फाइल तैयार हो गई है। यह मामला अब पंचायती राज समिति में सुना जाएगा। समिति ही कार्रवाई का निर्णय लेगी।

चार ब्लॉक की भूमिका संदिग्ध नौ वर्ष पहले क्षेत्र पंचायत से कराए गए कार्यों में पूरेडलई, सिरौलीगौसपुर, मसौली और हरख ब्लाक की भूमिका संदिग्ध मिली है। विकास कार्यों के नाम पर खर्च पैसे का हिसाब आज तक नहीं दिया गया। मामला गबन की श्रेणी में है। सोमवार को शासन में पंचायती राज समिति की ओर से बैठक है। यहां क्षेत्र पंचायत, ग्राम पंचायत और जिला पंचायत के मामलों को सुना जाएगा। आडिट में कुछ गड़बड़ियां मिली थीं, जिनमें निर्णय लिया जाना है।

तीन महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म का मामला, आज दरिंदों को जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाएगी पुलिस

पानीपत, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

मतलौडा क्षेत्र के डेरे पर तीन महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म मामले के आरोपित दरिंदों को पुलिस आज, सोमवार को जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाएगी। इससे पहले पुलिस मछली फार्म हाउस पर महिला की हत्या करने के मामले में गिरफ्तार कर जेल भिजवा चुकी है। 20 सितंबर को दरिंदों ने मछली फार्म हाउस पर पति पत्नी के साथ मारपीट कर लूटपाट की थी। मारपीट में महिला की मौत हो गई थी। जबकि साथ के डेरे पर बच्चों व पुरुषों को बंधक बना तीन महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म किया था। मामले में पुलिस ने शुरुआत में सोनू, नवीन व जयभगवान को गिरफ्तार कर लिया था।महिला की हत्या व तीन महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म के सरगना राजू उर्फ राजीव ने पुलिस पकड़ से बचने के लिए जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास किया था। लेकिन वो बच गया। इसके बाद पुलिस ने उसे ठीक होने पर महिला की हत्या के मामले में गिरफ्तार कर पानीपत जेल भेज दिया।जहां 12 अक्टूबर को दरिंदे ने बैरक के जंगले में निकले सरिये में सिर मारकर आत्महत्या का प्रयास किया। मामले में डीएसपी जेल गीता रानी ने उसके खिलाफ सेक्टर-29 औद्योगिक थाना में केस दर्ज कराया है। एसपी अजीत सिंह शेखावत ने बताया कि तीन महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म मामले में गिरफ्तारी व पूछताछ को लेकर मुख्य सरगना राजू उर्फ राजीव, नरेंद्र को जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाने के लिए सोमवार, आज की अर्जी लगाई गई है। आरोपितों को प्रोडक्शन वारंट पर लाने के बाद मजिस्ट्रेट के सामने शिनाख्त परेड भी कराई जाएगी।

दलितों को साधने के लिए कांग्रेस का बड़ा दांव आज बहराइच में करेगी दलित गौरव संवाद

बहराइच, 16 अक्टूबर ।

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कांग्रेस भी पूरे जोर शोर से लगा हुआ है। इसी कड़ी में दलित समुदाय को साधने के लिए कांग्रेस ने राज्य में बड़ां दाव खेला है। जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित विभाग के जिलाध्यक्ष गोविंद प्रसाद गौतम की अध्यक्षता में पुलिस लाइन के शिवनगर स्थित कार्यालय में बैठक हुई। इसमें काशीराम की पुण्यतिथि से लेकर संविधान दिवस तक होने वाले कार्यक्रमों की रणनीति की गई। अध्यक्ष ने बताया कि दलित गौरव संवाद कार्यक्रम अलग-अलग क्षेत्र में आयोजित होगा 16 अक्टूबर को शहर के मलिन बस्ती चांदमारी बक्शीपुरा में आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात 17 अक्टूबर को लौकी रिसिया, 20 को चिलवरिया के मछियाही, 28 को भग्गापुरवा रायबोझा, 27 अक्टूबर को फकीरपुरी बिछिया को होगा। 11 नवंबर को खजुरवा विशेश्वरगंज, 14 को रमपुरवा, 16 को विशेश्वरगंज, 21 को गंगापुरवा महसी, 22 को फुटहा, 23 को इमलियागंज, 24 को भकला कैसरगंज, 25 को नवाबगंज व बलहा में चौपाल लगेगी। 26 नवंबर को अंबेडकर प्रतिमा के समक्ष अभियान का समापन होगा। चौपाल तथा रात्रि विश्राम के लिए संयोजक भी बना दिए गए हैं।

अब खाटू श्याम, वृंदावन और मथुरा के लिए बस चलाएगा एचआरटीसी, इस दिन से शुरू होगी पहली यात्रा

शिमला, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) घाटे से उबरने के लिए अब नई योजना पर काम कर रहा है। निगम ने दूसरे राज्यों के धार्मिक स्थलों के लिए सीधी बस सेवा चलाने की शुरुआत की है। यह बसें हिमाचल के मंदिरों के साथ दूसरे राज्यों के लिए भी चलेंगी। राजस्थान के सीकर में स्थित खाटू श्याम मंदिर के लिए रूट तय होने के बाद अब दूसरे चरण में वृंदावन, मथुरा और ऋषिकेष के लिए बस सेवा शुरू करने की योजना अंतिम चरण में है। दूसरे राज्यों के लिए बस चलाने के लिए कुछ औपचारिकताएं रहती है जिन्हें पूरा करने में निगम के अधिकारी जुट गए हैं। 21 अक्टूबर से एचआरटीसी पहली दर्शन सेवा शुरू करने जा रहा है। ये दर्शन सेवा प्रदेश के मंदिरों के लिए होगी। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इन रूटों पर बस सेवा शुरू करने पर चर्चा हुई है। जल्द ही निगम इसकी औपचारिकता पूरी कर बसें चला देगा। हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम की ज्वालाजी से वृंदावन के लिए अभी बस सेवा चल रही है। यह रूट निगम के लिए फायदेमंद साबित हुआ है। इसके बाद अब मथुरा और ऋषिकेश के लिए भी बसें चलाने की योजना है।

अभी निजी आपरेटर विशेष पैकेज पर चलाते हैं बसें प्रदेश से हजारों लोग वृंदावन, मथुरा, ऋषिकेष दर्शनों के लिए जाते हैं। अभी तक प्रदेश में निजी आपरेटर व टुअर एंड ट्रैवल एजेंसियां पैकेज टुअर पर बसों को ले जाती हैं। इसके लिए उन्होंने अलग-अलग टूर पैकेज तैयार किए हैं। जिसमें लोगों से काफी ज्यादा पैसे लिए जाते हैं, जबकि निगम निर्धारित किराये पर यह बस चलाएगा। उपमुख्यमंत्री ने इसके लिए एचआरटीसी के प्रबंध निदेशक व परिवहन विभाग के अधिकारियों को औपचारिकता पूरी करने के निर्देश दिए हैं। अभी एचआरटीसी की बसें दिल्ली, चंडीगढ़ के अलावा उत्तराखंड, हरिद्वार के लिए चलती हैं।

जोरामथांगा का दावा- मिजोरम में फिर सत्ता में लौटेगा एमएनएफ

आइजोल, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरामथांगा ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) पुन-सत्ता में लौटेगी और 40 सदस्यीय विधानसभा में 25 से 35 सीटें हासिल करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि 2018 के विधानसभा चुनावों में एमएनएफ द्वारा सत्ता से बेदखल की गई कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव में एक भी सीट हासिल नहीं कर सकेगी। जोरामथांगा ने एक इंटरव्यू में कहा कि हम आगामी विधानसभा चुनावों के लिए खुद को तैयार करने में व्यस्त हैं। हमें उम्मीद है कि हम बहुमत हासिल करने और फिर से सरकार बनाने में कामयाब रहेंगे।

उन्होंने कहा कि जहां तक कांग्रेस का सवाल है, अगर उन्हें एक या दो सीट मिल भी जाती हैं तो हम उन्हें भाग्यशाली मानेंगे अन्यथा उन्हें एक भी सीट नहीं मिलने वाली है।जोरामथांगा ने आगे कहा कि भाजपा को अधिक से अधिक दो सीट मिल सकती हैं। हमारे प्रतिद्वंद्वी जोरम पीपल्स मूवमेंट (जेपीएम) भी दहाई के आंकड़े में नहीं पहुंचेगी। इसलिए हमारे लिए सरकार बनाने की अपार संभावना है।

अग्निवीर अमृतपाल के परिवार को एक करोड़ देगी पंजाब सरकार, आप पार्टी ने भाजपा पर बोला हमला

मानसा, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

पंजाब के एक अग्निवीर जवान अमृतपाल को शहीद का दर्जा ने देने पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला है। राघव चड्ढा ने कहा कि अग्निवीरों को शाहिद का दर्जा न देना सेना को कमजोर करेगा। साथ ही बोले कि पंजाब सरकार शहीद अग्निवीर अमृतपाल सिंह के परिवार को एक करोड़ की सहायता राशि देगी।वहीं, गांव कोटली के अग्निवीर अमृतपाल सिंह को पंजाब सरकार द्वारा बलिदानी मानते हुए एक करोड़ रुपये की राशि की घोषणा करने पर परिवार ने आभार व्यक्त किया है, वहीं सेना से बेटे को बलिदानी का दर्जा देने की अपील की है। पिता गुरदीप सिंह ने जम्मू-कश्मीर में गोली लगने से बलिदान हुए अमृतपाल सिंह के बारे में कहा कि बेटे को भर्ती कराकर सेना को सौंप दिया था। जब उसने सेना की वर्दी पहन ली तो वह सेना का बेटा बन गया। अब सेना कह रही है कि उसने बलिदानी न माना जाए। वह अपने बेटे को बलिदानी मानते हैं, क्योंकि उसने देश की सीमा पर अपनी जान कुर्बान की है। भारत सरकार को भी उसे बलिदानी का दर्जा देना चाहिए।

उधर, पंजाब सरकार द्वारा अमृतपाल सिंह को बलिदानी मानने पर कहा कि वह सरकार के शुक्रगुजार हैं। चाचा सुखजीत सिंह ने भी से बेटे को बलिदानी मानने की अपील की है। वहीं परिवार से दुख बांटने पहुंचे किरनजीत सिंह गहरी ने भी अंतिम संस्कार में अग्निवीर को सम्मान न किए जाने पर रोष जताया और कहा कि अमृतपाल सिंह को बलिदानी माना जाना चाहिए, क्योंकि ड्यूटी के दौरान गोली लगने से मौत हुई है।

शराब और पटाखे की थाने से हो रही थी तस्करी जानकारी होने पर पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

भुवनेश्वर। खुर्दा जिले के बेगुनिया पुलिस थाने से जब्त पटाखों और शराब की तस्करी करते हुए एक होमगार्ड और एक कार चालक को पकड़ा गया है। यह जानकारी खुर्दा एसडीपीओ दिलीप दास ने दी है। उनके अनुसार होमगार्ड प्रकाश मुदुली और कार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।होमगार्ड प्रकाश मुदुली और कार चालक ने दिन में जब्त किए गए पटाखा और शराब को चालान कर रहे थे तभी इन्हें स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। लोगों ने घटना की जानकारी एसडीपीओ को दी। खुर्दा बेगुनिया पुलिस के पटाखा गोदाम पर छापा मारा गया और एक ट्रक से अधिक पटाखा जब्त किया गया।पटाखे ही नहीं, पुलिस ने इसी दिन अन्य जगहों पर छापेमारी कर अवैध शराब भी जब्त किया था। जब्त किए गए पटाखा एवं शराब को आधी रात को बेगुनिया थाने के पिछले गेट से तस्करी करते समय होमगार्ड प्रकाश मुदुली और कार चालक को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया।लोगों ने सवाल किया कि थाने से जब्त किए गए पटाखे और शराब आधी रात को दूसरे वाहन में क्यों आप कहां जा रहा है।

सिक्किम के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में भारतीय सेना ने चलाया बचाव अभियान, 245 लोगों को बचाया

गंगटोक, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

उत्तरी सिक्किम में आई बाढ़ के बाद भारतीय सेना व एनडीआरएफ की टीम राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है। भारतीय सेना ने उत्तरी सिक्किम में अभियान चलाकर 245 लोगों को बचाया है। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तरी सिक्किम में चलाए गए एक मिशन में भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर के जवानों ने राबोम में फंसे 245 लोगों को बचाया है। त्रिशक्ति कोर के बयान के अनुसार, यह बचाव अभियान 7 अक्टूबर को शुरू हुआ और 13 अक्टूबर तक जारी रहा। त्रिशक्ति कोर के जवानों ने उत्तरी सिक्किम में आई बाढ़ के बाद कटे गांवों से संपर्क जोड़ने के लिए अभियान चलाया। सेना के जवान एक चुनौतीपूर्ण अभियान के बाद राबोम के अलग-अलग गांव पहुंचे और वहां फंसे करीब 245 लोगों को बचाया। त्रिशक्ति कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि मौसम की खराब स्थिति के बावजूद भारतीय सेना के जवानों ने 24 घंटे तक अभियान चलाया। उन्होंने करीब 14.8 किलोमीटर का रास्ता बनाया और कुंदन हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के 97 श्रमिकों सहित 80-100 स्थानीय लोगों को बचाया। सैनिकों ने गांव में एक हेलीपैड भी बनाया है। उन्होंने बताया कि 245 लोगों को इस मिशन के दौरान बचाया गया है। साथ ही लोगों को सहायता भी मुहैया कराई।बता दें कि इससे पहले भारतीय वायुसेना ने सिक्किम के विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों से 1700 से अधिक लोगों को निकाला था। अधिकारियों के अनुसार, भारतीय वायु सेना के चिनूक और एमआई-17, वी5 हेलीकॉप्टर सिक्किम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में अभियान जारी रखे हुए हैं। राहत प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए 200 से अधिक कर्मियों को शामिल किया गया है।

नोएडा में पहले गोलगप्पे न खिलाने पर ग्राहक ने दुकानदार पर किया हमला, चाकू घोंपकर हुआ फरार

नोएडा, 16 अक्टूबर [एजेंसी]।

कोतवाली सेक्टर-49 क्षेत्र के गांव बरौला में पहले गोलगप्पे खिलाने को लेकर ग्राहक और दुकानदार में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि ग्राहक ने दुकानदार पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बरौला के रविंद्र गोलगप्पे बेचते हैं।

शनिवार को भी वह हमेशा की तरह दुकान पर गोलगप्पे बेच रहे थे। गांव का ही विकास नाम का युवक गोलगप्पे खाने के लिए दुकान पर आया। विकास जल्दी गोलगप्पे खिलाने के लिए कह रहा था। रविंद्र पहले आए ग्राहकों को गोलगप्पे खिला रहे थे। इस पर विकास ने आपा खो दिया और दोनों में झगड़ा शुरू हो गया। आरोप है कि इस दौरान विकास ने चाकू से रविंद्र के पेट पर वार कर दिया। वहां खड़े लोगों ने आरोपित को पकड़ने का प्रयास किया तो उन पर भी चाकू से हमला कर दिया। फिर मौके से भाग निकला। चाकू लगने से खून बहने लगा और रविंद्र मौके पर गिर गया। सूचना पर उसके स्वजन पहुंचे और जिला अस्पताल लेकर गए। घायल का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। फरार आरोपित की तलाश में पुलिस की जुटी हुई है।

शक्ति की उपासना के साथ वरदान प्राप्त करने का पर्व

दुर्गा या आदिशक्ति हिन्दुओं की प्रमुख देवी मानी जाती हैं जिन्हें माता, नवदुर्गा, देवी, शक्ति, आध्या शक्ति, भगवती, माता रानी, जगत जननी जग्दम्बा, परमेश्वरी, परम सनातनी देवी आदि नामों से भी जाना जाता हैं। शाक्त सम्प्रदाय की वह मुख्य देवी हैं। दुर्गा को आदि शक्ति, परम भगवती परब्रह्म बताया गया है। वह अंधकार व अज्ञानता रुपी राक्षसों से रक्षा करने वाली, ममतामई, मोक्ष प्रदायनी तथा कल्याणकारी हैं। उनके बारे में मान्यता है कि वे शान्ति, समृद्धि तथा धर्म पर आघात करने वाली राक्षसी शक्तियों का विनाश करतीं हैं।

दुर्गा का निरूपण सिंह पर सवार एक देवी के रूप में की जाती है। दुर्गा देवी आठ भुजाओं से युक्त हैं जिन सभी में कोई न कोई शस्त्रास्त्र होते है। उन्होने महिषासुर नामक असुर का वध किया। महिषासुर (= महिष + असुर = भैंसा जैसा असुर) करतीं हैं। हिन्दू ग्रन्थों में वे शिव की पत्नी दुर्गा के रूप में वर्णित हैं। जिन ज्योतिर्लिंगों में देवी दुर्गा की स्थापना रहती है उनको सिद्धपीठ कहते है। वहाँ किये गए सभी संकल्प पूर्ण होते है। माता का दुर्गा देवी नाम दुर्गम नाम के महान दैत्य का वध करने के कारण पड़ा। माता ने शताक्षी स्वरूप धारण किया और उसके बाद शाकंभरी देवी के नाम से विख्यात हुई शाकंभरी देवी ने ही दुर्गमासुर का वध किया। जिसके कारण वे समस्त ब्रह्मांड में दुर्गा देवी के नाम से भी विख्यात हो गई। माता के देश में अनेकों मंदिर हैं कहीं पर महिषासुरमर्दिनि शक्तिपीठ तो कहीं पर कामाख्या देवी। यही देवी कोलकाता में महाकाली के नाम से विख्यात और सहारनपुर के प्राचीन शक्तिपीठ मे शाकम्भरी देवी के रूप में ये ही पूजी जाती हैं।

हिन्दुओं के शक्ति साम्प्रदाय में भगवती दुर्गा को ही दुनिया की पराशक्ति और सर्वोच्च देवता माना जाता है (शाक्त साम्प्रदाय ईश्वर

को देवी के रूप में मानता है)। वेदों में तो दुर्गा का व्यापाक उल्लेख है, किन्तु उपनिषद में देवी उमा हैमवती (उमा, हिमालय की पुत्री) का वर्णन है। पुराण में दुर्गा को आदिशक्ति माना गया है। दुर्गा असल में शिव की पत्नी आदिशक्ति का एक रूप हैं, शिव की उस पराशक्ति को प्रधान प्रकृति, गुणवती माया, बुद्धितत्व की जननी तथा विकाररहित बताया गया है। एकांकी (केंद्रित) होने पर भी वह माया शक्ति संयोगवश अनेक हो जाती है। उस आदि शक्ति देवी ने ही सावित्री(ब्रह्मा जी की पहली पत्नी), लक्ष्मी, और मुख्य रूप से पार्वती(सती) के रूप में जन्म लिया और उसने ब्रह्मा, विष्णु और महेश से विवाह किया था। तीन रूप होकर भी दुर्गा (आदि शक्ति) एक ही है।

देवी दुर्गा के स्वयं कई रूप हैं (सावित्री, लक्ष्मी एव पार्वती से अलग)। मुख्य रूप उनका गौरी है, अर्थात शान्तमय, सुन्दर और गोरा रूप। उनका सबसे भयानक रूप काली है, अर्थात काला रूप। विभिन्न रूपों में दुर्गा भारत और नेपाल के कई मन्दिरों और तीर्थस्थानों में पूजी जाती हैं।भगवती दुर्गा की सवारी शेर है।

मार्कण्डेय पुराण में ब्रहदेव ने मनुष्य जाति की रक्षा के लिए एक परम गुप्त, परम उपयोगी और मनुष्य का कल्याणकारी देवी कवच एवं व देवी सुक्त बताया है और कहा है कि जो मनुष्य इन उपायों को करेगा, वह इस संसार में सुख भोग कर अन्त समय में बैकुण्ठ को जाएगा। ब्रहदेव ने कहा कि जो मनुष्य दुर्गा सप्तशती का पाठ करेगा उसे सुख मिलेगा। भगवत पुराण के अनुसार माँ जगदम्बा का अवतरण श्रेष्ठ पुरूषो की रक्षा के लिए हुआ है। जबकि श्रीं मद देवीभागवत के अनुसार वेदों और पुराणों कि रक्षा के और दुष्टों के दलन के लिए माँ जगदंबा का अवतरण हुआ है। इसी तरह से ऋग्वेद के अनुसार माँ दुर्गा ही आदि-शक्ति है, उन्ही से सारे विश्व का संचालन होता है और उनके अलावा और कोई अविनाशी नही है। इसीलिए नवरात्रि के दौरान नव दुर्गा के नौ रूपों का ध्यान, उपासना व आराधना की जाती है तथा नवरात्रि के प्रत्येक दिन मां दुर्गा के एक-एक शक्ति रूप का पूजन किया जाता है।

कैसे हुई मां दुर्गा की उत्पत्ति

मां दुर्गा को आदि शक्ति, भवानी और अन्य कई नामों से जाना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार मां का जन्म दैत्यों के विनाश के लिए हुआ था। वैसे तो सारा साल ही माता की पूजा की जाती है लेकिन नवरात्रों के दौरान इनके विशेष पूजन व उपाय किए जाते हैं। कहा जाता है कि नवरात्रों के समय नौ दिन माता रानी पृथ्वी पर आकर भक्तों के बीच रहती हैं। इसलिए मां को खुश करने के लिए भक्त विधि-विधान पूर्वक आरती, पूजा एवं दुर्गा सप्तशती का पाठ करते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि मां दुर्गा की उत्पति कैसे हुई।

एक बार सभी देवगण असुरों के अत्याचारों से तंग आ चुके थे। तब ब्रह्माजी ने उन्हें बताया कि दैत्यराज को ये वर मिला है कि उसकी मौत कुंवारी कन्या के हाथ से होगी। तभी सभी देवों को एक तरकीब सुझी। उन्होंने मिलकर अपनी-अपनी शक्तियों से एक देवी को प्रकट किया। विभिन्न देवताओं की देह से निकले हुए तेज से ही देवी के अलग-अलग अंग बने।

भगवान शंकर के तेज से देवी का मुख प्रकट हुआ, यमराज के तेज से मस्तक और बाल, विष्णु के तेज से भुजाएं, चंद्रमा के तेज से स्तन, इंद्र के तेज से कमर, वरुण के तेज से जंघा, पृथ्वी के तेज से नितंब, ब्रह्मा के तेज से चरण, सूर्य के तेज से दोनों पैरों की ऊंगलियां, प्रजापति के तेज से सारे दांत, अग्नि के तेज से दोनों नेत्र, संध्या के तेज से भौंहें, वायु के तेज से कान तथा अन्य देवताओं के तेज से देवी के भिन्न-भिन्न अंग बने। फिर शिवजी ने उस महाशक्ति को अपना त्रिशूल दिया, लक्ष्मी जी ने कमल का फूल, विष्णु ने चक्र, अग्नि ने शक्ति व बाणों से भरे तरकश, प्रजापति ने स्फटिक मणियों की माला, वरुण ने दिव्य शंख, हनुमानजी ने गदा, शेषनाग ने मणियों से सुशोभित नाग, इंद्र ने वज्र, भगवान राम ने धनुष, वरुण देव ने पाश व तीर, ब्रह्मा ने चारों वेद तथा हिमालय पर्वत ने सवारी के लिए शेर प्रदान किया।

इसके अतिरिक्त समुद्र ने बहुत उज्जवल हार, कभी न फटने वाले दिव्य वस्त्र, चूड़ामणि, दो कुंडल, हाथों के कंगन, पैरों के नूपुर तथा अंगुठियां भेंट कीं। इन सब वस्तुओं को देवी ने अपनी अठारह भुजाओं में धारण किया। मां दुर्गा इस सृष्टि की आद्य शक्ति हैं यानी आदि शक्ति हैं। पितामह ब्रह्माजी, भगवान विष्णु और भगवान शंकर उन्हीं की शक्ति से सृष्टि की उत्पत्ति, पालन-पोषण और संहार करते हैं। अन्य देवता भी उन्हीं की शक्ति से शक्तिमान होकर सारे कार्य करते हैं। मां के इस तेज को देखकर दैत्यराज बहुत डर गया था लेकिन देवी ने अपने शेर और शस?त्रों से मार उसे डाला। तभी से माता को मां दुर्गा के नाम से पुकारा जाने लगा।

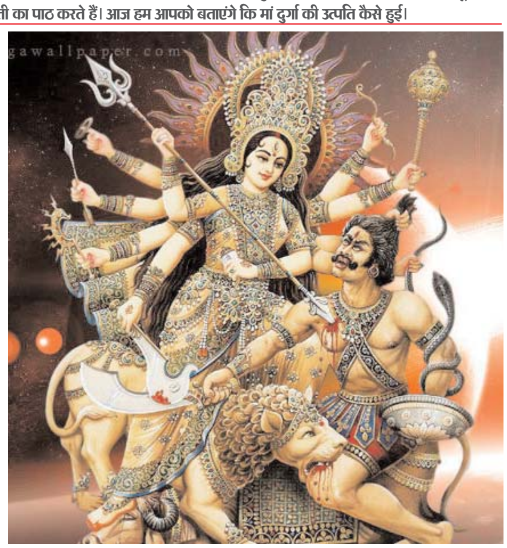

क्योंकि देवी मां का हर अस्त्र कुछ कहता है, यहां जानिए किसने दिए मां को ये अस्त्र-शस्त्र

मां भगवती के हाथों में शोभा देते हुए चक्र को भगवान विष्णु ने भक्तों की रक्षा के लिए देवी को प्रदान किया था। भगवान विष्णु ने ये चक्र खुद अपने चक्र से उत्पन्न किया था। मां दुर्गा को त्रिशुल स्वयं भगवान शंकर ने भेंट किया था। भगवान शिव ने इसे शूल से त्रिशूल निकालकर मां दुर्गा को भेंट किया था। इस त्रिशुल से देवी ने महिषासुर समेत अन्य असुरों का वध किया था। मां दुर्गा के हाथ में जो शंख है उसे वरुण देव ने भेंट किया था। इस शंख की ध्वनि मात्र से धरती, आकाश और पाताल में मौजूद असुर कांप कर भाग जाया करते थे। देवी माता को अपने वज्र से एक दूसरा वज्र निकालकर देवराज इंद्र ने भेंट किया था। यह वज्र अत्यंत शक्तिशाली था और जब युद्ध भूमि पर देवी इसे निकालती थीं तो उसके प्रहार से असुरी युद्ध के मैदान से भाग खड़ी हुई थी। मां भगवती को यमराज ने अपने कालदंड से निकालकर दंड भेंट किया था। देवी ने युद्ध भूमि में दैत्यों को दंड पाश से बांधकर धरती पर घसीटा था। मां भवानी को धनुष और बाणों से भरा तरकश स्वयं पवन देव ने भेंट किया था। असुरों से युद्ध के दौरान देवी इसी धनुष और बाणों का प्रहार करती थीं।

शारदीय नवरात्र में इन उपायों को आजमाएंगे तो चौंक जाएंगे, मां भवानी की कृपा से मनचाही मुरादें पूरी होंगी देवी मां के हाथों में सुशोभित तलवार और ढाल यमराज ने भेंट की थी। पौराणिक कथाओं के अनुसार मां भगवती ने असुरों का सर्वनाश इसी तलवार और ढाल से किया था। देवराज इंद्र ने ऐरावत हाथी के गले से घंटा उतारकर देवी को दिया था और इस घंटे की भयंकर ध्वनि से मूर्छित हो गए थे और फिर उनका संहार हुआ था।

दुर्गा सप्तशती में मिलते हैं संदर्भ

हम आपको एक मुण्डा आदिवासी कथा सुनाते हैं। कथा इस प्रकार है- जंगल में एक भैंस और भैंसा को एक नवजात बच्ची मिली। दोनों उसे अपने घर ले आए और लड़की को पाल-पोसकर बड़ा किया। अपूर्व सौंदर्य लिए हुए सोने की काया वाली वह बच्ची जवान हुई। उसकी सोने-सी देह और अनुपम सौंदर्य की चर्चा कुछ शिकारियों के व्दारा राजा तक पहुंची। राजा ने छुपकर लडकी को देखा और उसके रूप पर मोहित हो गया। उसने उसका अपहरण करने की कोशिश की। तभी भैंस और भैंसा दोनों वहां आ गए। दोनों को आया देख राजा ने लड़की को बंधक बना लिया और घर का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। भैंस ने दरवाजा खोलने के लिए लड़की को बाहर से आवाज लगाई। लडकी बंधक थी। वह कैसे दरवाजा खोल पाती ? उसने बिलखते हुए राजा से आग्रह किया कि वह उसे छोड दे, पर राजा ने लडकी को मुक्त नहीं किया। अंततः भैंस और भैंसा, दोनों दरवाजा खोलने की कोशिश करने में सर पटकते-पटकते मर गए। उनके मर जाने के बाद राजा ने बलपूर्वक लडकी को अपनी रानी बना लिया।

आप सोचेंगे कि 'दुर्गासप्तशती' अथवा दुर्गा पूजा की कहानी, जिसमें आदिशक्ति दुर्गा कथा का क्या लेना देना। इस पर बात करने से पहले एक और आदिवासी कथा का पाठ कर लेना उचित होगा, जिसे गैर-आदिवासी समाज नहीं जानता। यह कथा संथाल आदिवासी समाज में प्रचलित है 'दासांय', जो दुर्गापूजा के समानान्तर मनाया जाता है। इसमें संथाल नवयुवकों की टोली बनती है, जो योध्दओं की पोशाक में रहते हैं। टोली के आगे-आगे अगुआ के रूप में कोई संथाल बुजुर्ग होता है, जो प्रत्येक घर में घुसकर गुप्तचरी का स्वांग करता है।दरअसल, यह टोली प्रत्येक घर में अपने सरदार को खोजती है जो उनसे बिछड़ गया है। इस तरह टोली युध्द की मुद्रा में नृत्य करते हुए आगे बढती है। इस संथाल आदिवासी परंपरा 'दासांय' में टोली जिस सरदार को खोजती है, उसका नाम दुरगा होता है, जो अपने दिशोम (देश) में दिकुओं (बाहरी लोग) के अत्याचार और प्रभाव के खिलाफ अपने योध्दाओं के साथ युद्ध करता है। उसके बल और वीरता से दिकू पराजित हो भयभीत रहते हैं। अंत में दिकू लोग छल का सहारा लेते हैं। उसे धोखे से बंदी बनाकर उसकी हत्या करने के लिए एक वैश्या से सहायता मांगते हैं।वैश्या सवाल करती है, 'इसमें मुझे क्या लाभ ?' पुजारी वर्ग उसे आश्वस्त करता है कि अगर अपने रूपजाल में फांसकर वह दुरगा को बंदी बनाने में साथ देगी तो युगों-युगों तक उसकी पूजा होगी। इस तरह से संथालों का सरदार 'दुरगा' बंदी होता है और मार डाला जाता है। आदिवासी सरदार दुरगा को मारने के ही कारण उस वैश्या को महिषासुर मर्दिनी और दुरगा (दुर्गा) की उपाधि मिली।

नवरात्रि - उसे मारने में नौ दिन और नौ रातें लगे थे इसलिए नवरात्रि का चलन शुरू हुआ। इस तरह से दुर्गा पूजा की शुरुआत हुई। बंगाल इसका केंद्र बना, क्योंकि मूलत: संथालों की आबादी पुराने बंग से सटे इलाके अर्थात मानभूम में निवास करतीथी। इसी कारण दुर्गा प्रतिमा तभी बनती है जब वेश्यालय की एक मुट्ठी मिट्टी उस मिट्टी में मिलाई जाए, जिससे मूर्ति का निर्माण होना है।

इस दूसरी आदिवासी कथा से आप यह समझ गए होंगे कि पहली कथा, जिसमें जंगल, भैंस और सोने की काया वाली लड़की का रूपक है, का दुर्गा सप्तशती के साथ क्या संबंध है। दरअसल

ये दोनों कथाएं मनुवादी दुर्गा सप्तशती का आदिवासी पाठ है, जिसे लोककथा कहकर पुरोहित वर्ग ने व्यापक जनसमाज के सामने आने नहीं दिया।

देवता बने हिजड़ा-मार्कण्डेय पुराण में वर्णित एक घटना (महिषासुर वध) यह प्रकट करने के लिए पर्याप्त है कि ब्राह्मणों ने अपने देवताओं को कितना हिजड़ा बना दिया था।(डॉ. अम्बेडकर, रिडल्स इन हिन्दूज्म पृ.75)

दुर्गा पूजा का पहला आयोजन

दुर्गा पूजा के बंगाली विस्तार का एक घृणित इतिहास है। अठारहवीं सदी के पहले, बंगाल में भी दुर्गा पूजा ऐसी कोई परंपरा नहीं थी, जैसी हम आज पाते हैं। यह जानकर बहुत से हिन्दुओं को धक्का लगेगा कि दुर्गा पूजा का पहला आयोजन बंगाल में अंग्रेजी राज के विजयोत्सव के उपलक्ष्य में हुआ था 1757 में। 23 जून 1757 को प्लासी के युध्द में बंगाल के नवाब को हराकर जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल पर अपना राज कायम कर लिया, तो इसकी खुशी में राजा नवकृष्ण देव, जो क्लाइव का मित्र था, ने शोभाबाजार स्थित अपने घर के प्रांगण में दुर्गा पूजा का आयोजन किया।

शब्द सामर्थ्य -217

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

1		2	■	3	4		5	■
	■		■	■		■	6	
■	7			■	■	■		■
8			■	9				■
10		■	■		■	■	■	11
	■	12			■	■	13	
14	15	■		■	16	17		
■		■	18				■	■
19				■		■	20	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 216 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	■
प	■	ति	■	■	र	क्ष	क	■
र	ह	मा	न	■	■	■	■	आ
वा	■	■	मि	थु	न	■	दा	स
ह	वा	ला	त	■	सी	ता	■	पा
■	न	■	■	■	ब	क	वा	स
औ	र	त	■	म	■	त	■	■
ला	■	बे	च	ना	■	व	च	न
द	ह	ला	■	ना	ग	र	■	दी

पटाखे फोड़कर हाथियों को लखनपुर में प्रवेश करने से रोका

लखनपुर। नगर पंचायत लखनपुर क्षेत्र में विचरण करने वाला हाथियों का दल माजा जंगल में पहुंच गया है। जंगली हाथियों द्वारा शनिवार की रात बड़े रकबे में फसलों को नुकसान पहुंचाया गया है। जंगली हाथियों के कारण लखनपुर क्षेत्र के कई गांव के लोग शनिवार की रात भयभीत रहे। वन कर्मचारियों की निष्क्रियता के कारण जंगली हाथियों से जान बचाने के लिए लोग रतजगा करने विवश थे। उन्हें हाथियों के विचरण क्षेत्र तक की जानकारी नहीं मिल पा रही थी।

शनिवार की सुबह 11 जंगली हाथियों का दल नगर पंचायत लखनपुर क्षेत्र में प्रवेश कर गया था। राष्ट्रीय राजमार्ग को पार कर हाथी पुराने इंजीनियरिंग कालेज के पास के जंगल में पहुंच गया था तब लोगों को राहत मिली थी। दिन भर हाथी यहीं जमे रहे। जैसे की संभावना जताई जा रही थी ठीक वैसा ही हुआ। शाम को ही हाथी जंगल से बाहर निकलने लगा था। रात नौ बजे हाथी फिर उसी रास्ते मे लौटने लगे थे जिस रास्ते वे आगे बढ़े थे। नगर पंचायत क्षेत्र में जंगली हाथी फिर प्रवेश न कर सके इसलिए लोगों ने जंगली हाथियों को असुरक्षित तरीके से खदेड़ने का प्रयास शुरू कर दिया। पटाखा एवं ढोल नगाड़े बजाकर हाथियों को आगे जंगल की ओर खदेड़ा गया।कटिंदा, बरपारा होते हुए हाथियों का दल रविवार को माजा जंगल में प्रवेश कर गया। रातभर लोग भयभीत रहे। जिन गांवों के आसपास से होकर हाथी गुजरे उधर सारी रात लोग जागते रहे। बुजुर्गों, बच्चों को सुरक्षित स्थान ले जाकर रखा गया था। हाथियों ने धान की खड़ी फसल को बर्बाद किया है। वन विभाग अभी तक आकलन नहीं कर सका है। हाथियों से बचाव के लिए वन अमला अभी भी सक्रिय भूमिका नहीं दिखा पा रहा है। आरोप है कि वन परिक्षेत्र अधिकारी लखनपुर मुख्यालय में निवास नहीं करने के कारण यह अव्यवस्था उत्पन्न हुई है। शनिवार की रात भी जंगली हाथी लखनपुर क्षेत्र में ही थे। रेंजर के रात 10 बजे अंबिकापुर चले जाने के कारण वन कर्मचारी भी धीरे-धीरे फील्ड से गायब हो चुके थे। लोग हाथियों से बचाव के लिए सारी रात संघर्ष करते रहे लेकिन वन विभाग का कोई भी सहयोग नहीं मिला।

घायल बालक को इंजेक्शन लगाने से नर्स ने किया मना

सूरजपुर। जिला अस्पताल में इलाज में लापरवाही को लेकर अक्सर अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगते रहे है। जिला अस्पताल में अव्यवस्था भी जगजाहिर है। ऐसा ही एक मामला रविवार को भी प्रकाश में आया, जब सड़क दुर्घटना में घायल एक बालक को ड्यूटी में तैनात स्टाफ नर्स ने इंजेक्शन लगाने से इंकार कर दिया।

बता दें कि रविवार को एक मीडियाकर्मी के पुत्र की सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद उसे जिला चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के लाया गया। बालक के चेहरे व पैर में चोट लगने के कारण स्वजनों ने आपात कक्ष में ड्यूटी कर रही स्टॉफ नर्स को घायल बालक को इंजेक्शन लगाने कहा। उसके बावजूद इंजेक्शन लगाने के बावजूद नर्स मोबाइल फ़ोन चलाने में व्यस्त रहीं। उसके बाद घायल बालक के स्वजनों ने सीएमएचओ डॉ आरएस सिंह को उक्ताशय की जानकारी दी। इस पर सीएमएचओ ने स्टॉफ नर्स को इंजेक्शन लगाने के निर्देश दिए। उसके बावजूद नर्स ने नियमों का हवाला देते हुए इंजेक्शन लगाने से मना कर दिया और घायल बच्चा दर्द से तड़पता रहा। घायल बालक के स्वजनो ने कथित नर्स पर दुर्व्यवहार करने का भी आरोप लगाया है। मामले की जानकारी मिलने पर मीडियाकर्मियों ने कलेक्टर व सीएमएचओ से बात कर स्टॉफ नर्स के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग भी की। सीएमएचओ डॉक्टर आरएस सिंह से संपर्क नहीं हो पाने के कारण मामले में उनका पक्ष नहीं लिया जा सका।

युवक की नदी में डूबने से मौत

भैयाथान। सत्यनगर गांव में रेण नदी में डूब जाने से गांव के ही रामचन्द्र गुप्ता की मौत हो गई। वह पितृपक्ष में श्राद्ध हेतु जल अर्पण करने रेण नदी गया था। रविवार को दो घंटे की मशक्कत कर नगर सेना की रेस्क्यू टीम ने नदी में डूबे शव को बाहर निकालकर झिलमिली पुलिस को सौंप दिया। भैयाथान इलाके के सत्यनगर गांव से सटकर गुजरी रेण नदी में शनिवार की शाम को गांव का ही रामचंद्र पिता स्वर्गीय मोतीलाल गुप्ता 40 वर्ष पितृपक्ष में श्राद्ध हेतु जल अर्पण के उद्देश्य से गया था। जहां पानी लेने के दौरान पैर फिसल जाने से वह नदी में डूब गया। सूचना पर पहुंची नगर सेवा की रेस्क्यू टीम ने देर शाम नदी में डूबे युवक के शव को निकालने काफी मशक्कत की थी। उसके बावजूद युवक का पता नहीं लग सका था। रविवार को सुबह नगर सेना की रेस्क्यू टीम ने करीब दो घंटे मशक्कत कर नदी में डूबे रामचंद्र गुप्ता के शव को नदी से बाहर निकाला और झिलमिली पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पंचनामा एवं पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद पुलिस ने मृतक के शव को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। रेस्क्यू अभियान में जिला सेनानी संजय गुप्ता के मार्गदर्शन में बाढ़ बचाव प्रभारी बीरबल गुप्ता ,बृज बिहारी गुप्ता, कृष्ण सिंह, अमर सिंह, शिवनारायण, बेला प्रताप, नेमसाय,तुलेश्वर, सोमार साय, रीकेश गुप्ता ,देवनारायण ,टामेश्वर, हंस लाल, धनसाय नेताम, शिव प्रताप मार्को सक्रिय रहे।

कुएं में लटकती मिली बाइक

सूरजपुर। नगर के गुरु घासीदास वार्ड में खेतों के बीच वीरान पड़े कच्चे कुएं में संदिग्ध अवस्था में बाइक लटकती पाई गई है। इससे मोहल्ले में सनसनी फैल गई। पार्षद राम सिंह ने बताया कि उनके घर के समीप खेतों के बीच स्थित एक पुराने कुएं में बाइक लटकते पाई गई है। बाइक किसकी है अभी तक पता नहीं चल सका है। कपड़े की डोरी बनाकर बाइक को कुएं में लटकाया गया था। पुलिस की उपस्थिति में बाइक को बाहर निकाला गया और पुलिस थाना भेज दिया गया है। पुलिस को चोरी की बाइक होने का अनुमान है। बाइक जर्जर अवस्था में है।

विधानसभा निर्वाचन 2023 : जन चौपाल आगामी आदेश तक स्थगित

सूरजपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 की घोषणा के साथ ही जिले में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील होने के कारण प्रत्येक मंगलवार कलेक्टोरेट में आयोजित होने वाले जन चौपाल को आगामी आदेश पर्यन्त स्थगित कर दिया गया है।

स्वामी एवं प्रबंधक को जारी किया आदेश

सूरजपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 - (क) के तहत निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों अथवा राजनैतिक दलों द्वारा कराए जाने वाले पुस्तिका या पोस्टरों के मुद्रण और प्रकाशन संबंध में प्रिंटिंग प्रेस के मेसर्स, स्वामी एवं प्रबंधक को आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया कि कोई भी व्यक्ति ऐसी निर्वाचन पुस्तिका या पोस्टर जिसके मुख्य पृष्ठ पर उसके मुद्रक और प्रकाशक के नाम और पते न हो तो मुद्रित या प्रकाशित न करेगा और न मुद्रित प्रकाशित कराएगा।

गंगाजल पर सियासी घमासान, कांग्रेस ने भेजी चुनाव आयोग को शिकायत

रायपुर। गंगाजल पर जीएसटी मामले में छत्तीसगढ़ में सियासत थमने का नाम नहीं ले रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने चुनाव आयोग को भेजी शिकायत में कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा गंगाजल पर जीएसटी लगाया जाता है इस तथ्य को छुपाने के लिये चुनाव आयोग के नाम का भाजपा ने दुरूपयोग किया है और गलत शिकायत कर समाचार माध्यमों में खबर छपवाई है। उन्होंने शिकायत पत्र में आगे कहा कि 15 अक्टूबर को प्रदेश के विभिन्न समाचार पत्रों में खबर छपी है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गंगाजल पर जीएसटी लगाया है यह गलत प्रचारित किया है और भाजपा ने इस संबंध में चुनाव आयोग को शिकायत की है। केंद्र सरकार डाक विभाग के माध्यम से जो गंगाजल की बिक्री करता है उसके 35 रू के बोटल में 18 प्रतिशत जीएसटी जुड़ी रहती है. इस आशय का आदेश मिनिस्ट्री ऑफ कम्यूनिकेशन के डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट के जनरल मैनेजर के परिपत्र 11-05/2016 में साफ है. यह परिपत्र उत्तराखंड सर्कल के ईमेल डेट 10/08/2023 के संबंध में जारी हुआ है (जिसकी छाया प्रति संलग्न है). इसके परिपत्र के बिंदु 3 में स्पष्ट है कि गंगाजल के 35 रू. के फिक्स रेट वाले बोतल में 18 प्रतिशत जीएसटी जुड़ा है। इस आदेश के बाद भाजपा अपनी केंद्र सरकार की कारगुजारी पर पर्दा डालने झूठी शिकायत कर चुनाव आयोग के नाम का दुरूपयोग कर रही है. मामले में सुशील आनंद शुक्ला ने चुनाव आयोग में झूठी शिकायत और भ्रम फैलाने के लिये बीजेपी के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है।

खदान के सब स्टेशन में घुस केबल काटकर ले गए युवक

भटगांव। एसईसीएल भटगांव क्षेत्र के महान दो कोयला खदान क्षेत्र में असामाजिक गतिविधियां फिर तेज हो गई है। कोयला चोरी और तस्करी के लिए बदनाम क्षेत्र में संगठित युवाओं का गिरोह सक्रिय हो गया है। खदान के सब स्टेशन में घुसकर डंडा व तलवार से लैस लोगों ने मारपीट की धमकी देकर 70 मीटर कापर केबल काटकर ले गए। आरोपितों ने भय का माहौल बनाकर घटना कारित की। खदान के सुरक्षा अधिकारी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामले में चोरी का अपराध पंजीकृत किया है। आरोपितों का अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार घटना दिवस की रात

महान टू ओसीएम में सुरक्षा कर्मचारी के साथ ओवरमैन , माईनिंग सरदार , इलेक्ट्रेशियन ड्यूटी पर थे। मध्यरात्रि के बाद डेढ़ बजे डण्डा व तलवार से लैस लोग खदान के सब स्टेशन में घुस गए। कर्मचारियों को मारपीट की धमकी देकर पावर केबल कापर करीब 70 मीटर को काटकर चोरी कर ले गये। सुरक्षा गार्ड एवं अन्य कर्मचारी , सशस्त्र युवकों के भय से कुछ नहीं कर पाए। उनके जाने के बाद आकर घटनास्थल पहुंचे तो देखा कि सब स्टेशन में केबल कटा हुआ है। खान प्रबंधक को घटना की सूचना देकर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। बताते चले कि एसईसीएल भटगांव क्षेत्र का महान दो खुली खदान का क्षेत्र कोयला चोरी और असामाजिक गतिविधियों के लिए बदनाम रहा है। इस क्षेत्र में पूर्व के वर्षों में संगठित गिरोह द्वारा कोयला की चोरी की जाती थी। बीच मे इन घटनाओं में कमी आई थी लेकिन खदान के सब स्टेशन में घुसकर केबल काट कर ले जाने की घटना से कर्मचारी भी भयभीत है। खदान के आसपास क्षेत्र में दर्जनों ईंट भट्ठा भी संचालित है।

इन ईंट भट्ठों में चोरी का कोयला भी खपाया जाता है। आसपास के कई क्षेत्र में कम गहराई में ही कोयला की भी प्रचुरता है। कोयले का अवैध उत्खनन व परिवहन भी इस क्षेत्र से किया जाता है। समय-समय पर पुलिस कार्रवाई भी करती है लेकिन कोयला चोरी और अवैध तरीक़े से कोयले के परिवहन पर सख्ती से रोक नहीं लग पा रही है। ईंट भट्ठों में चोरी का कोयला धड़ल्ले से खपाया जाता है। सेटिंग के आधार पर कोयले का अवैध धंधा लंबे समय से चल रहा है।

चांग देवी मंदिर में उमड़ रही भक्तों की भीड़

एमसीबी। ज़िला मुख्यालय एमसीबी से लगभग 100 किलोमीटर की दूरी पर भगवानपुर भरतपुर विकासखण्ड में प्रसिद्ध चांग माता मंदिर स्थित है। वनांचल क्षेत्र में स्थित यह मंदिर भक्तों की आस्था का केंद्र बिंदु है। भक्त यहां मन्नत मांगने, दर्शन करने और मातारानी का आशीर्वाद प्राप्त करने हजारों की संख्या में आते हैं। वैसे तो आम दिनों में भी यह मंदिर भक्तों से भरा रहता है लेकिन नवरात्रि के समय तो यहां की रौनक देखते ही बनती है। मनमोहक आरती-वंदना ,अद्भुत,मनोरम और स्वरचित आरती में भक्त दूर दूर से आकर शामिल होते हैं। भैयाबहादुर सिंह की मौलिक रचना (मां करु दुर्गे तोरी आरती हो मां) चांग भखार की भाषा शैली में गायी जाती है। यह आरती साहित्यिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।भक्तों का यही मानना है की चांग माता की महिमा अपरम्पार है और मातारानी उनके सभी कष्टों को दूर करने वाली आदिशक्ति हैं।

दाऊद का पैसा छत्तीसगढ़ आने की आशंका से कैसे करें इंकार

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के चुनाव मीडिया प्रभारी विधायक सिद्धांत नाथ सिंह ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से सीधा सवाल किया है कि उन्होंने अधिकार होते हुए भी छत्तीसगढ़ में महादेव एप्प प्रतिबंधित क्यों नहीं किया। केंद्र सरकार गेमिंग लाइसेंस नहीं देती। नगालैंड सरकार ऑल इंडिया लायसेंस देती है लेकिन अन्य राज्य सरकारें इसे लॉटरी की तरह प्रतिबंधित कर सकती है। आंध्र, तमिलनाडु,, तेलंगाना आदि राज्य सरकारों ने गेमिंग एप्प प्रतिबंधित किए हैं।

सिंह ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से यह सवाल भी किया है कि वे महादेव एप्प के जरिए होने वाली मनी लांड्रिंग और आतंक के पैसे की छत्तीसगढ़ में आमद को लेकर इतने बेफिक्र कैसे हैं, कि अपनी जिम्मेदारी से पलायन कर केंद्र सरकार पर तथ्यहीन आरोप लगाते हुए जीएसटी से इसे जोड़ रहे हैं।

कांग्रेस बाहुबलियों के जरिए चुनाव के दौरान हिंसा फैलाकर माहौल बिगाड़ने पर उतारू - भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता व पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने केंद्रीय चुनाव आयोग के प्रवक्ता, प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, केंद्रीय गृह मंत्रालय, प्रदेश गृह मंत्रालय, छत्तीसगढ़ पुलिस सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को ट्वीट कर उनके (श्री चंद्राकर के) कुरुद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता चंद्रशेखर गिरी की रविवार को जघन्य हत्या किए जाने की जानकारी देते हुए पुरजोर मांग की है कि निष्पक्ष चुनाव के लिए धमतरी के एसपी, एसडीओपीस समेत कुरुद विधानसभा क्षेत्र के सभी थानेदारों को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए और विधानसभा क्षेत्र के सभी बूथ को अतिसंवेदनशील घोषित किया जाए। भाजपा मुख्य प्रवक्ता व कुरूद विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी श्री चंद्राकर ने कांग्रेस की भूपेश सरकार पर आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के कार्यकर्ताओं की पुलिस के संरक्षण में लक्षित हत्या (टारगेट किलिंग) की आशंका जताते हुए आरोप लगाया कि इससे पहले भी स्व. चंद्रशेखर गिरी पर प्राणघातक हमला हुआ था लेकिन पुलिस ने उन हमलावरों को आज तक गिरफ्तार नहीं किया था और आरोपियों की अरारी-फरारी दिखाकर कार्रवाई में टालमटोल करती रही। आगे चुनाव में पुलिस के संरक्षण में भाजपा कार्यकर्ताओं की और भी टारगेट किलिंग हो सकती है। श्री चंद्राकर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के लोग सत्ता-संरक्षण प्रदान कर बाहुबलियों के जरिए चुनाव के दौरान हिंसा फैलाकर माहौल बिगाड़ने पर उतारू हैं। टारगेट किलिंग, हिंसा की राजनीति के जरिए आतंक फैलाना कांग्रेस का स्थायी चरित्र रहा है। यह इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस अब वैचारिक रूप से इतनी कंगाल हो चली है कि सत्ता के लिए लिए वह हर नाजायज हथकण्डों का आजमाने में शर्म महसूस नहीं करती। भाजपा मुख्य प्रवक्ता व पूर्व मंत्री श्री चंद्राकर ने कहा कि बस्तर में नक्सलियों की आड़ लेकर जिस तरह भाजपा के नेताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों की लगातार टारगेट किलिंग की गई है और उन हत्यारों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, उससे तो प्रदेश सरकार की बदनीयती स्पष्ट हो ही चुकी थी, रही-सही कसर प्रदेश सरकार ने सुरक्षा प्राप्त भाजपा के पूर्व विधायकों की सुरक्षा छीनकर पूरी कर दी थी। मानपुर में कांग्रेस की सभा में कांग्रेस विधायक इंद्र शाह मंडावी की मौजूदगी में सरजू टेकाम ने जिस तरह चुनाव प्रचार के लिए आने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं को काट डालने की धमकी दी और प्रदेश सरकार ने इस पर चुप्पी साध ली, वह कांग्रेस के राजनीतिक चरित्र की एक झलक ही थी। कांग्रेस और उसकी प्रदेश सरकार अब शांत छत्तीसगढ़ में चुनाव को अपराध और हिंसा की दिशा में ले जाने का षड्यंत्र रच रही है। श्री चंद्राकर ने चेताया कि मुख्यमंत्री बघेल छत्तीसगढ़ जैसे शांत प्रदेश को प. बंगाल बनाने का प्रयास न करें। भाजपा मुख्य प्रवक्ता व पूर्व मंत्री श्री चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस सरकार की लापरवाही व गुंडागर्दी के कारण आज छत्तीसगढ़ की जनता अपने आप असुरक्षित महसूस कर रही है, और मुख्यमंत्री बघेल छत्तीसगढ़ को सुरक्षित राज्य बताकर फर्जी दावा कर रहे हैं पर जमीनी हकीकत यह है कि आज छत्तीसगढ़ पुरी तरह से अपराध गढ़ बन चुका है। तालिबानी अंदाज में सड़कों पर हथियारों के साथ जुलूस निकाला जा रहा है। यह हथियार किसी पर भी चल भी सकते हैं। किन्तु सरकार इस पर कार्रवाई करना छोड़ केवल आरोप लगाने में व्यस्त है। श्री चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ में ध्वस्त हो चुकी कानून-व्यवस्था के लिए भूपेश बघेल सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि बहुत संवेदनशील स्थिति है कि छत्तीसगढ़ में मानव जीवन किस प्रकार संकट में पहुंच रहा है! कांग्रेस के शासनकाल में प्रशासन का राजनीतिकरण और राजनीति का अपराधीकरण हो गया है।

कांग्रेस की पहली सूची का सरदार ही चार्जशीटेड : सरोज पांडेय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए जारी कांग्रेस की पहली सूची पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि इस सूची का प्रधान ही चार्जशीटेट है। इस लिस्ट में तरह तरह की आपराधिक घटनाओं के आरोपियों की भरमार है, जो साबित कर रही है कि छत्तीसगढ़ को भ्रष्टाचार और अपराध का गढ़ बना देने वाली कांग्रेस कैसा छत्तीसगढ़ गढ़ना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जो सूची जारी की है, वह उसकी तयशुदा हार का दस्तावेज है। इनकी पहली लिस्ट यानी ट्रेलर देखकर अंदाज लग रहा है कि फिल्म कितनी फ्लॉप होगी।

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय ने रविवार को भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस को अपने मौजूदा विधायकों, संसदीय सचिवों पर भरोसा नहीं है। कांग्रेस ने अपने सभी मंत्रियों पर भरोसा इसलिए व्यक्त किया है क्योंकि इनके माध्यम से कांग्रेस का छत्तीसगढ़ एटीएम संचालित हुआ है। मंत्रियों की टिकट काटने की हिम्मत कांग्रेस की नहीं हुई। इस सूची में भूपेश बघेल सरकार के सभी मंत्री शामिल हैं। विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को भी टिकट दी गई है। एक संसदीय सचिव सहित आठ विधायकों की टिकट काटी गई है। एक मंत्री की सीट बदली गई है। जिन विधायकों की टिकट काटी गई है वह पिछले विधानसभा चुनाव और उपचुनाव में अच्छे मतों से जीते थे। पंडरिया विधानसभा से ममता चंद्राकर की टिकट काटी गई है] डोंगरगढ़ से भुवनेश्वर बघेल, खुज्जी से छन्नी साहू, अंतागढ़ से अनूप नाग, कांकेर से शिशुपाल सोरी, चित्रकूट से राजमन बेंजाम और दंतेवाड़ा से देवती कर्मा की टिकट काटी गई है। जो लोग उपचुनाव में जीते उन पर भी कांग्रेस को भरोसा नहीं है। खुज्जी से छन्नी साहू का टिकट इसलिए काटा गया क्योंकि वह 5 साल से सत्ता धारी विधायक होने के बावजूद जनता के हित में भूपेश बघेल सरकार के खिलाफ मुखर रहीं। कांग्रेस ने अंतत उसके दफ्तर में छिड़ी गैंगवार के बीच डरते-सहमते 30 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है तो यकीनन उन्होंने अपने कार्यालय की टेबल कुर्सी आदि का भी बीमा कर लिया होगा। इस सूची से स्पष्ट हो रहा है कि अपराध में शामिल होना कांग्रेस का उम्मीदवार बनने की कसौटी पर पहली प्राथमिकता है। महिलाओं को ज्यादा प्रतिनिधित्व देने का वादा करने वाले, लड़की हूँ लड़ सकती हूं का नारा देने वालों ने अपनी ही सरकार के खिलाफ लड़ने वाली छन्नी साहू का टिकट काट दिया है जो यह जाहिर कर रहा है कि कांग्रेस में गलत के खिलाफ लड़ने वाली महिलाओं का कोई स्थान नहीं है। कांग्रेस ने जो सूची जारी की है, उसके अनुसार कांग्रेस के 30 फीसदी विधायकों से तो स्वयं कांग्रेस नाखुश नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव से टिकट देकर भूपेश बघेल ने अपने दोस्त गिरीश देवांगन की बलि चढ़ा दी। भ्रष्टाचार में सहभागी बनने वाले सभी मंत्रियों को पुरस्कृत किया गया है। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल सहित कांग्रेस के कई प्रत्याशियों का बड़ा अपराधिक बैकग्राउंड है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ अश्लील सीडी बांटने के अलावा कथित रूप से फिरौती मांगने का आरोप है। नोएडा में कांग्रेस प्रत्याशी पंखुड़ी पाठक का डोर टू डोर प्रचार के दौरान भूपेश बघेल ने कोविड महामारी के नियमों का उल्लंघन किया और उन पर इस मामले में केस दर्ज हुआ है। जयसिंह अग्रवाल कांग्रेस के ऐसे उम्मीदवार हैं जिन पर विभिन्न घोटालों और धोखाधड़ी के कई आरोप हैं। जिनमें हुए जमानत पर हैं। उनके विरुद्ध दर्जनों केस दर्ज हुए हैं। जिनमें राजस्व घोटाला और जमीन घोटाले जैसे मामले भी शामिल हैं। जयसिंह अग्रवाल की निष्क्रियता के कारण कोरबा में ईसाई मिशनरियों द्वारा लगातार भोले वाले जनजातीय समाज के भाइयों बहनों को प्रलोभन देकर व्यापक पैमाने पर धर्मांतरण कराए जाने के आरोप हैं। अमरजीत भगत को प्रस्तावित सारंगा एलुमिना प्लांट के मुद्दे पर अपने ही गृह क्षेत्र में विरोध का सामना करना पड़ा। भगत के बेटे के नाम पर जशपुर में राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र माने जाने वाले जनजाति की 25 एकड़ जमीन खरीदी के आरोप है। बिरनपुर हिंसा पर भगत ने बेहद गैरजिम्मेदाराना बयान दिया था। सरगुजा जिले के भटौली विकासखंड के एक ग्राम में 130 एकड़ सरकारी जमीन का फर्जीवाड़ा कर अपने नाम करने के मामले में भगत के पूर्व निजी सहायक समेत 23 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज है। संतराम नेताम पर आरोप है कि उन्होंने एक महिला डीएफ्ओ जिसके हाथ में एक बच्चा था, उस पर चिल्लाते और धमकाते हुए कहा था कि वह एक खतरनाक आदमी हैं, इसका वीडियो भी काफी वायरल हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की भरोसा यात्रा के दौरान एक बड़ा हादसा हुआ जिसमें बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी घायल हुए। सार्वजनिक जगह पर असावधानी से असुरक्षित वाहन चलाने के कारण विधायक ने दूसरों के जीवन को खतरे में डाला। कवासी लखमा के रंग ढंग से पूरा बस्तर और पूरा छत्तीसगढ़ वाकिफ है। रविंद्र चौबे राहुल गांधी की तुलना भगवान राम और आदि गुरु शंकराचार्य से करते हैं। शिक्षक भर्ती और पदोन्नति घोटाला उन्हीं के कार्यकाल की देन है। ताम्रध्वज साहू गृहमंत्री रहते हुए महिलाओं के विरुद्ध जिस तरह की टिप्पणी करते रहे हैं, वह भी छत्तीसगढ़ ने देखा सुना है। कवर्धा का झंडा विवाद और मोहम्मद अकबर के बीच क्या रिश्ता है, यह भी किसी से छुपा हुआ नहीं है। वन मंत्री मोहम्मद अकबर वन विभाग में हो रहे भ्रष्टाचार पर किस तरह खामोश रहे, किस तरह वृक्षों की अंधाधुंध कटाई हुई यह भी सभी जानते हैं। मोहन मरकाम शराब को संस्कृति बताते रहे हैं। अनिला भेड़िया शराब बंदी का वादा करने के नाम पर शराब सेवन को बढ़ावा देती हैं। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री होते हुए भी वह महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा करने में नाकामयाब रही हैं। रुद्र गुरु अपने विधानसभा क्षेत्र से गायब रहे। सिंहदेव स्वास्थ्य मंत्री के पद पर होने के बावजूद भी नवजात शिशुओं की मृत्यु के लिए स्वयं को इसलिए माफ नहीं कर सकते क्योंकि उनके विभाग में उनके ही क्षेत्र में लापरवाही हुई। उन पर अंबिकापुर बस स्टैंड क्षेत्र के पास तालाब पर अवैध रूप से कब्जा करने के आरोप भी सामने आए हैं।

कोतवाली क्षेत्र में छापामार कारवाई के दौरान पकड़ाया 3 लाख का सोना-चांदी

0 मानिकपुर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान दबोचा 0 कोतवाली टीम ने वारंटी व बदमाश को भेजा जेल

कोरबा। जिले के नए कप्तान जितेंद्र शुक्ला के आदेश के परिपालन हेतु जारी किये गए फरमान को अमलीजामा पहनाते हुए कोतवाली क्षेत्र की पुलिस ने तमाम तरह के अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए धड़ाधड़ छापामार कार्रवाई कल शुरू कर दी। इस दौरान मानिकपुर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान बाइक में ले जाए जा रहे बगैर कागजात के 3 लाख के सोना-चांदी को धारा 102 के तहत जब्त कर लिया।

मिली जानकारी के अनुसार जिले के नए कप्तान के रूप में अपना पदभार ग्रहण करते हुए श्री शुक्ला ने अपने मातहतों को आदेश दिया था कि हर हालत में अपराधी बख्शे न जाएं। चुनाव शांतिपूर्वक एवं आदर्श आचार संहिता के अनुरूप निष्पक्ष ढंग से पूर्ण कराने हेतु पुलिस आम लोगों के साथ मित्रवत व्यवहार रखते हुए विधिवत पुलिसिंग के कर्तव्य बोध के अनुसार कार्य कर अपनी छवि बनाए। इसी को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का एवं थाना कोतवाली टीआई रूपक शर्मा के कुशल मॉनिटरिंग व मार्गदर्शन में मानिकपुर चौकी प्रभारी प्रेमचंद साहू ने गत रात्रि वाहनों में सोने-चांदी व नगदी रकम बगैर किसी कागजात व आवश्यकता के लिए ले जाने वालों तथा अवैध हथियार के साथ चलने वालों को पकड़ने हेतु चौकी के सामने कैम्प लगाकर

वाहनों की चेकिंग अपने स्टाफ के साथ शुरू कर दी।

बतााया जाता है कि इसी दौरान रविशंकर निवासी मनोज मैटी पिता कोकिल मैटि नामक युवक अपनी बाइक में एक बैग में रखकर गले हुए सोने-चांदी के आभूषण जिसमें सोना 34 ग्राम, चांदी 1.926 किलोग्राम कीमत 3 लाख 6 हजार रुपए का लेकर आ रहा था। वाहन चेकिंग के दौरान चौकी प्रभारी श्री साहू ने हमराह स्टाफ के साथ उसे घेराबंदी कर रोका और उपरोक्त सोने-चांदी के गलाए जेवरात के संबंध में संतोषजनक कागजात व प्रमाण पत्र पेश करने के लिए नोटिस दिया। लेकिन आरोपी मनोज मैटी संतोषजनक जवाब व किसी तरह के कागजात पेश के सामने पेश नहीं किया। तत्काल उसे पकड़कर उसके वाहन एवं उपरोक्त गलाए हुए जेवरात को धारा 102 सीआरपीसी के तहत जब्त कर लिया। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

कोतवाली स्टाफ ने वारंटी व आदतन बदमाश को धरा

नए कप्तान के आदेशों के पालन के सिलसिले में कोतवाली टीआई रूपक शर्मा के नेतृत्व में लगातार अपराधियों की नकेल कसने के लिए छापामार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में शहर के रामसागरपारा निवासी आदतन आधा दर्जन के मामले में लुकाछिपी खेलकर भागे फिर रहे बदमाश लखन राजपूत उम्र 23 पिता दशरथ राजपूत को कोतवाली स्टाफ ने धर दबोचा। वहीं विद्युत चोरी के धारा 135, 138 विद्युत अधिनियम के मामले में फरार चल रहे बलिकुआं मोहल्ला सीतामणी निवासी फरार वारंटी महेश कुमार प्रजापति उम्र 40 पिता भगवानदीन प्रजापति को न्यायालय द्वारा वारंट जारी किये जाने पर धर दबोचा। इन दोनों को रिमांड पर कोतवाली पुलिस द्वारा जेल भेज दिया गया। वहीं 6 दोपहिया एवं पांच चारचक्का वाहनों पर मोव्ही एक्ट के तहत उनके उपर समंस शुल्क बतौर 3300 रुपए जुर्माने के कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में टीआई श्री शर्मा के निर्देशन में एएसआई द्वय अजय सिंह ठाकुर, लक्ष्मी कुर्रे, आरक्षक सुनील सिंह राजपूत, चंद्रकांत गुप्ता, घनश्याम सिदार, नवरतन सिदार की उल्लेखनीय भूमिका रही।

नेतृत्व के सवाल पर आग

सामान्य सीट पर सामान्य की उपेक्षा, कटघोरा के लिए हुई लामबन्दी

क्या पुरुषोत्तम को किनारे करेगी कांग्रेस

-राजनीतिक संवाददाता-

कोरबा। व्यवस्था कहीं या मजबूरी, आम निर्वाचन के लिए लोकसभा और विधानसभा की अनेक सीटों पर आरक्षण पहले से ही जारी है और इसकी सुविधा निश्चित वर्ग को लगातार उपलब्ध हो रही है। शेष बची सीटों को सामान्य घोषित कर दिया गया है लेकिन अनेक मामलों में इसी वर्ग को यहां से नेतृत्व करने का अवसर नहीं मिल पाता। इस बात की कसक समय-समय पर राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं में उभरती रही है। नेतृत्व करने की आग अबकी बार कोरबा जिले की सामान्य कटघोरा सीट पर लगी हुई है। इसलिए अब तक यहां से कांग्रेस का प्रत्याशी घोषित नहीं हो सका। दावा किया जा रहा है कि बहुत ज्यादा तिकडम होने पर ही मौजूदा विधायक पुरुषोत्तम कवर को यहां से रिपीट किया जा सकता है, अन्यथा कोई और सामान्य प्रत्याशी यहां से भाजपा के सामने ताल ठोकेगा।

अविभाजित मध्य प्रदेश के समय से कटघोरा विधानसभा का गठन किया गया। इसे अनारक्षित श्रेणी में शामिल किया गया। मतलब यह है कि आरक्षित और अन्य कोई भी यहां से मैदान में आ सकता है। कटघोरा विधानसभा में अधिकांश बार कांग्रेस ने बौधराम कंवर को नेतृत्व का मौका दिया। पिछले चुनाव में उनके पुत्र पुरुषोत्तम कर टिकट पाने में सफल रहे और चुनाव जीतने में भी। कांग्रेस सरकार ने उन्हें सरगुजा विकास प्राधिकरण में उपाध्यक्ष भी बनाया। एक बार में फिर से इस सीट से टिकट के लिए दावेदारी कर रहे हैं। लेकिन अबकी बार मामला कुछ उलझता हुआ नजर आ रहा है। जानकार बताते हैं कि कांग्रेस में ही कटघोरा सीट से सामान्य वर्ग को प्रत्याशी बनाए जाने के लिए उच्च स्तर पर लामबंदी तेज हो गई है। कई स्तर पर इस अभियान को सहयोग मिल रहा है और ऊपर तक आवाज मजबूत की जा रही है। कांग्रेस संगठन के द्वारा टिकट के लिए आवेदन देने के लिए पिछले महीना में अभियान शुरू किया गया था जिसमें कटघोरा के लिए सबसे ज्यादा संख्या में आवेदन प्राप्त हुए थे। जानकारों का कहना है कि भाजपा के द्वारा जिला पंचायत सदस्य और पिछड़ा वर्ग से वास्ता रखने वाले प्रेमचंद पटेल को प्रत्याशी बनाया गया है इसलिए कांग्रेस में भी इस सीट पर सामान्य प्रत्याशी देने को लेकर आग लगी हुई है । इसके अंतर्गत जिला पंचायत उपाध्यक्ष रीना जायसवाल अथवा पूर्व सदस्य अजय जायसवाल को प्रत्याशी बनाने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। तर्क दिया जा रहा है कि जिले में दो सीट आरक्षित हैं, इसलिए सैद्धांतिक आधार पर से शेष दो सामान्य सीटों पर इसी वर्ग के प्रत्याशी को अवसर क्यों नहीं दिया जाना चाहिए। सवाल उठाया जा रहा है कि क्या विधानसभा क्षेत्र के सामान्य कार्यकर्ता केवल मीटिंग अटेंड करने के साथ-साथ चुनाव प्रचार करने तक ही सीमित रहेंगे। खबर के मुताबिक लगातार अलग-अलग स्तर से यह बात ऊपर पहुंचाई गई है और कई नेताओं का सीधा हस्तक्षेप इस मामले में है इसलिए अब तक कटघोरा से कांग्रेस प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं हो सकी है। कहां तो यह भी जा रहा है कि विशेष परिस्थितियों में ही कांग्रेस इस सीट पर वर्तमान विधायक पुरुषोत्तम कंवर को मौका दे सकती है, अन्यथा उन्हें किनारे करने के साथ दूसरा चेहरा लोगों के सामने होगा।

पिछली बार हुआ था खेल

कटघोरा विधानसभा क्षेत्र मैं पिछले चुनाव के दौरान आए नतीजे को लेकर बार-बार कई प्रकार के सवाल उठ खड़े होते रहे हैं। उसे समय कांग्रेस के निर्वाचित विधायक पुरुषोत्तम कंवर को लगभग 45000 वोट मिले थे। वही भाजपा प्रत्याशी लखन लाल देवांगन 32000 के आसपास वोट प्राप्त करने में सफल रहे। इस चुनाव में जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष रहे गोविंद सिंह राजपूत भी निर्दल प्रत्याशी के रूप में उतर गए थे जिन्होंने 21000 वोट प्राप्त कर पूरा खेल बिगाड़ दिया। निश्चित रूप से इस संघर्ष में सामान्य वोटो का गणित बहुत ज्यादा निर्णायक रहा जिसने भाजपा की जीत पर ब्रेक लगा दिया, और कंवर की किस्मत जाग गई। इलाके में अब इसी प्रकार की चर्चाएं शुरू हो गई है कि अगर सामान्य सीट पर कांग्रेस का प्रत्याशी चयन का फॉर्मूला नहीं बदलता है तो लंबे समय से संघर्ष कर रहे कार्यकर्ताओं को कुछ तो सोचना ही पड़ेगा।

छपा ने कोरबा में मदनलाल को उतारा मैदान में

कोरबा। छत्तीसगढ़ में इस बार विधानसभ चुनाव में छत्तीसगढ़िया पार्टी ने ताल ठोंकते हुए लगभग सभी विधानसभा सीटों पर अपना प्रत्याशी उतारने का फैसला किया है। इसी कड़ी में पार्टी द्वारा रविवार को 20 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की गई। जिसमें कोरबा विधानसभा क्षेत्र से युवा नेता मदनलाल चंद्रा को मैदान में उतारा है। उन्हें पार्टी द्वारा प्रत्याशी घोषित करने के साथ ही चुनाव प्रचार में तत्काल जुट जाने को कहा है। श्री चंद्रा की क्षेत्र में मजबूत पकड़ है। मदनलाल को प्रत्याशी बनाए जाने से उनके समर्थकों में काफी हर्ष व्याप्त है। वहीं जिले के तीन अन्य सीटों कटघोरा में जयपाल सिंह कंवर, रामपुर से अमृत केरकेट्टा तथा पाली तानाखार से देवराज मरकाम के नाम की घोषणा की गई है। पार्टी द्वारा प्रत्याशी बनाए जाने के बाद सभी अपने-अपने क्षेत्रों में चुनाव प्रचार में जुट गए हैं। उनके द्वारा मतदाताओं से संपर्क कर समर्थन जुटाया जा रहा है।

कहीं भी डंप की जा रही राख, बढ़ रही परेशानी

जमनीपाली। बिजली घरों में उत्पादन की प्रक्रिया के लिए हर दिन कई लाख टन कोयला की खपत हो रही है। इस दौरान एक निश्चित अनुपात में राख का उत्सर्जन हो रहा है। कोरबा शहर के बाद अब जमनिपाली क्षेत्र में जहां तहां राख को डंप करने से कई प्रकार की समस्याएं खड़ी हो रही हैं और लोग परेशान हो रहे हैं।

पिछले कुछ दिनों से देखने को मिल रहा है कि सरकारी के साथ-साथ लोगों की निजी जमीन पर भी बिजली घरों से निकलने वाली राख को डंप करने का काम ट्रांसपोर्टर के लोग कर रहे हैं। रात के अंधेरे में चोरी छुपे इस काम को अंजाम दिया जा रहा है। कई जगहों पर राखड़ का स्टॉक होने के साथ यह बात पुख्ता हो रही है कि लंबे समय से इस काम को अंजाम दिया जा रहा है। हवा के झोंके चलने पर राख यहां से उड़ते हुए आसपास में न केवल पहुंचती है बल्कि लोगों के घरों संस्थाओं और पर्यावरण को बुरी तरीके से प्रभावित भी करती है। पहले ही विशेषज्ञ इस बात को कह चुके हैं कि बिजली घरों से उत्सर्जित अपशिष्ट के साथ लंबे समय तक संपर्क होने की स्थिति में लोगों के सामने कई प्रकार की समस्याएं पेश आ सकती हैं और वे विभिन्न बीमारियों के लपेटे में आ सकते हैं। अनेक मौकों पर इस प्रकार की शिकायत है न केवल सामने आई हैं बल्कि लोगों ने प्रमाण के साथ प्रशासन को अवगत कराया है। इतना सब कुछ होने और एनजीटी के द्वारा फटकार लगाने के बाद भी बिजली घरों का संचालन करने वाला प्रबंधन उन पार्टियों को लगाम नहीं लग सका है जिन्हें फ्लाई ऐश ट्रांसपोर्टेशन के काम से जोड़ा गया है।

गन्दे पानी को पार कर मंदिर जाने की मजबूरी

कोरबा। शारदीय नवरात्र पर कोरबा के कालीबाड़ी जाने वाले भक्तों के सामने समस्याएं खड़ी हो गई हैं । कालीबाड़ी चौराहा पर बहाए जा रहे गंदे पानी को पार कर मंदिर जाना उनकी मजबूरी हो गई है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सिविल विभाग के द्वारा चौराहा के पास गंदे पानी की निकासी के लिए बेहतर व्यवस्था करने के बजाय सड़क काट दी गई है। ऐसे में आसपास के क्षेत्र से होकर नाली में आने वाला पानी सही रास्ते के बजाय सड़क से होकर बह रहा है। इस स्थिति में एसईसीएल कॉलोनी, मुड़ापार होकर आने वाले भक्तों को मंदिर जाने से पहले बड़ी विचित्र व्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने इस व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं और जानना चाहा है कि जब इन दिनों में जरूरी काम नहीं हो सकता था तो फिर नवरात्र को ध्यान में रखते हुए नाली का पानी आगे बढ़ाने के लिए सड़क क्यों खोद गई। इससे पहले भी इस रास्ते पर इस तरह की समस्याएं पेश आ चुकी हैं और लोग काफी परेशान हो चुके हैं।

हादसे में घायल वृद्ध की मौत

कोरबा। डेढ़ सप्ताह पूर्व सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल वृद्ध की उपचार के दौरान गत रात्रि जिला अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पीएम के लिए चीरघर भिजवा दिया।

मिली जानकारी के अनुसार करतला थानांतर्गत ग्राम गेरांव निवासी चैतराम अगरिया उम्र 60 पिता रामसिंह अगरिया विगत 7 अक्टूबर को सड़क हादसे में बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसे उपचार के लिए इंदिरा गांधी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां उपचार के दौरान गत रात्रि उसकी मौत हो गई। अस्पताल के वार्ड ब्वाय द्वारा प्रतिवेदन दिए जाने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने मृतक के शव को पंचनामा कार्रवाई की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए उसे पीएम के लिए चीरघर भिजवा दिया।

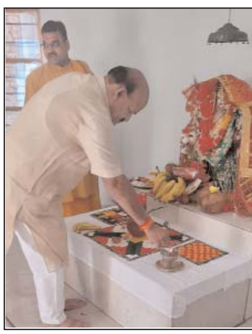

रामजानकी मंदिर में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर राजपूत क्षत्रिय समाज की ओर से 301 आस्था के ज्योति जलाते हुए समाज द्वारा बैठाया गया है। कल नवरात्रि के प्रथम दिवस पर समाज के संरक्षक उमाशंकर सिंह, अध्यक्ष अवधेश सिंह, पूर्व अध्यक्ष श्रेष्ठ सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष विजय सिंह, कोषाध्यक्ष बच्चू सिंह, वरिष्ठ सदस्य मंटू सिंह, श्री भदौरिया, कांता सिंह, यू.के.सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह तथा मंदिर के पुजारी कमलेश्वर उपाध्याय द्वारा तैल्य एवं घृत दीप प्रज्जवलित किये गए। इसमें एक विदेश से भी श्रद्धालु ने अपना तैल्य ज्योति प्रज्जवलित कराया है।

जगतजननी विराजीं हो रही पूजा

कोरबा। पराम्बा आदिशक्ति देवी दुर्गा की उपासना का सबसे बड़ा पर्व आश्विन नवरात्र भक्ति भाव के साथ कोरबा क्षेत्र में मनाया जा रहा है। शारदा विहार पूजा पंडाल में नवरात्रि के प्रथम दिवस जगत जननी की 9 प्रतिमाओं की स्थापना विधि विधान के साथ की गई। सोमवार को पर्व के दूसरे दिन यहां ब्रह्मचारिणी स्वरूप की पूजा के साथ भक्तों ने आरती में हिस्सा लिया। समिति के पदाधिकारी हरिकेत गुप्ता ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालु भी यहां पहुंच रहे हैं। रात्रि को आरती के पश्चात गरबा की व्यवस्था की गई है। नवरात्र के 9 दिवस तक यहां पर भोग प्रसाद भी किया जाएगा। कोरबा शहर और उपनगरीय क्षेत्रों सहित अंचल में अनेक स्थानों पर नवरात्र को खास अंदाज देने के लिए समितियों ने कोशिश की है। उधर रावण दहन के लिए आवश्यक तैयारियां भी शुरू कर दी गई है।

पिपरिया में तीन ग्रामीणों के बरामदे को ढहाया हाथियों ने, लोगों में दहशत

कोरबा। जिले के वनमंडल कटघोरा में हाथियों का आतंक बदस्तूर जारी है। यहां के पसान, केंदई व जटगा रेंज में हाथियों का दल लगातार विचरण कर रहा है। जिसमें 48 हाथी केंदई रेंज अंतर्गत, पोड़ी खुर्द पंचायत के आश्रित ग्राम बड़काबहरा के जंगल में हैं जबकि 6 हाथी जटगा रेंज के लालडीह में उत्पात मचा रहे हैं। पसान रेंज के जल्के सर्किल में मौजूद दो हाथियों ने बीती रात उत्पात मचाते हुए पिपरिया गांव में तीन ग्रामीणों के बरामदे को ढहा दिया। इतना ही नहीं हाथियों ने खेतों में पहुंचकर वहां लगे धान की फसल को तहस-नहस कर दिया। हाथियों द्वारा गांव में उत्पात मचाए जाने की सूचना मिलने पर वन विभाग का अमला तत्काल मौके पर पहुंचा और उत्पाती हाथियों को खदेड़ने के साथ ही जंगलों तक

पहुंचाया। जिस पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। इससे पहले हाथियों के उत्पात से ग्रामीण दहशत में रहे और अपने-अपने घरों में दुबके रहे। केंदई रेंज के बड़काबहरा में विचरणरत हाथियों ने भी उत्पात मचाया है। हाथियों के दल ने ग्रामीणों के खेतों में पहुंचकर वहां लगे खरीफ फसल को रौंदने के साथ ही मटियामेट कर दिया। हाथियों के उत्पात से 14 ग्रामीण प्रभावित हुए हैं जिनको हजारों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। इस बीच दल में शामिल खतरनाक लोनर हाथी एक बार फिर अलग होकर कोइलार गडरा पहुंच गया है। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक लोनर के दल से अलग होने से खतरा बढ़ गया है और क्षेत्र में उत्पात की संभावना बनी हुई है। इसे देखते हुए वन अमला सतर्कता बरत रहा है और उसकी विशेष निगरानी में जुटने के साथ ही हाथी के हरकत की जानकारी लगातार अधिकारियों को दे रहे हैं।

इधर कोरबा वनमंडल के कुदमुरा रेंज के गीतकुंआरी व जिल्गा में सक्रिय हाथियों ने धरमजयगढ़ का रूख कर लिया है। हाथियों ने अन्यत्र जाने से पहले रास्ते में पतरापाली गांव में तीन किसानों की फसल को बुरी तरह रौंद दिया है। पीड़ित ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचकर हाथियों द्वारा रात में किये गए नुकसानी का आंकलन शुरू कर दिया है।

तिवरता में अवैध शराब बेचते पकड़ाया

कोरबा। दीपका थानांतर्गत तिवरता में अपने घर में हाथभट्ठी महुए की शराब बनाकर बिक्री कर रहे ग्रामीण को दीपका पुलिस ने विशेष अभियान के तहत धर दबोचा। टीआई दीपका अश्वनी राठौर को मुखबिर से जानकारी मिलने पर थाने से उन्होंने एएसआई अश्वनी निरंकारी को तिवरता के खोलीपारा रवाना किया। जहां आरोपी रमेश कुमार कोर्राम के पास से 4 लीटर कच्ची शराब एवं 100 रुपए बिक्री रकम जब्त कर उसके विरूद्ध कार्रवाई की गई।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com